गरवी गुजरात

TITLE CODE:- UPHIN51504

GARVI GUJARAT

गरवी गुजरात

लखनऊ से प्रकाशित दैनिक

वर्ष : 01
अंक : 235
दि. 26.12.2025,
शुक्रवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

EDITOR : ASHWANI KUMAR Regd. Office: TF-01, Nanakram Super Market,Ramnagar,Sabarmati, Ahmedabad-380 005. Gujarat, India.

Phone : 90163 33307 (M) 93283 33307, 98253 33307 • Email : garvigujarat2007@gmail.com • Email : garvigujarat2007@yahoo.com • Website : www.garvigujarat.co.in

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने उत्तर प्रदेश के लखनऊ में राष्ट्र प्रेरणा स्थल का उद्घाटन किया

- राष्ट्र प्रेरणा स्थल उस सोच का प्रतीक है जिसने भारत को आत्मसम्मान, एकता और सेवा का मार्ग दिखाया है: प्रधानमंत्री
- सबका प्रयास ही विकसित भारत के संकल्प को सिद्ध करेगा: प्रधानमंत्री मोदी
- हमने अंत्योदय को संतुष्टिकरण का एक नया विस्तार दिया है: प्रधानमंत्री

(जीएनएस)।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने आज उत्तर प्रदेश के लखनऊ में पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के जीवन और आदर्शों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए राष्ट्र प्रेरणा स्थल का उद्घाटन किया। प्रधानमंत्री ने श्री अटल बिहारी वाजपेयी की 101वीं जयंती के पर अपने संबोधन में कहा कि आज लखनऊ की धरती एक नई प्रेरणा की साक्षी बन रही है। उन्होंने देश और पूरी दुनिया को क्रिसमस की शुभकामनाएं दीं। श्री मोदी ने इस बात पर प्रकाश डाला कि भारत में भी लाखों ईसाई परिवार आज यह त्यौहार मना रहे हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि क्रिसमस का यह उत्सव सभी के जीवन में खुशियां लाए, यही हम सबकी सामूहिक कामना है।

श्री मोदी ने इस बात पर प्रकाश डाला कि 25 दिसंबर राष्ट्र के दो महान व्यक्तित्वों की जयंती का विशेष अवसर लेकर आता है। उन्होंने कहा कि भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी जी और भारत रत्न महामना मदन मोहन मालवीय जी ने भारत की पहचान, एकता और गौरव की रक्षा के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया। प्रधानमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि इन दोनों महान विभूतियों ने अपने विशाल योगदान से राष्ट्र निर्माण पर अमिट छाप छोड़ी है।

श्री मोदी ने इस बात का उल्लेख किया कि 25 दिसंबर महाराजा बिजली पासी जी की जयंती भी है। उन्होंने बताया कि लखनऊ का प्रसिद्ध बिजली पासी किला यहाँ से कुछ ही दूरी पर स्थित है। प्रधानमंत्री ने इस बात पर बल दिया कि महाराजा बिजली पासी ने वीरता, सुशासन और समावेशिता की ऐसी विरासत छोड़ी है जिसे पासी समुदाय ने गर्व से आगे बढ़ाया है। उन्होंने इस संयोग का जिक्र किया कि अटल जी ने ही वर्ष 2000 में महाराजा बिजली पासी के सम्मान में डाक टिकट जारी किया था।

उन्होंने महामाना मालवीय जी, अटल जी और महाराजा बिजली पासी को सम्मानपूर्वक श्रद्धांजलि अर्पित की।

श्री मोदी ने कहा कि कुछ समय पहले उन्हें राष्ट्र प्रेरणा स्थल का

उद्घाटन करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ, जो भारत को आत्मसम्मान, एकता और सेवा का मार्ग दिखाने वाले दृष्टिकोण का प्रतीक है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी, पंडित दीन दयाल उपाध्याय जी और अटल बिहारी वाजपेयी जी की भव्य प्रतिमाएं गौरवशाली हैं, लेकिन उनसे मिलने वाली प्रेरणा कहीं अधिक महान है। अटल जी के शब्दों का हवाला देते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि यह राष्ट्र प्रेरणा स्थल यह संदेश देता है कि हर कदम, हर प्रयास राष्ट्र निर्माण के लिए समर्पित होना चाहिए और केवल सामूहिक प्रयास से ही विकसित भारत का संकल्प पूरा होगा। उन्होंने लखनऊ, उत्तर प्रदेश और पूरे देश को इस आधुनिक प्रेरणा स्थल के लिए बधाई दी। श्री मोदी ने बताया कि जिस भूमि पर यह प्रेरणा स्थल बनाया गया है, उस पर दशकों से 30 एकड़ से अधिक क्षेत्र में कचरे का ढेर लगा हुआ था, जिसे पिछले तीन वर्षों में पूरी तरह से साफ कर दिया गया है। प्रधानमंत्री ने परियोजना से जुड़े सभी श्रमिकों, कारीगरों और योजनाकारों को बधाई दी और मुख्यमंत्री तथा उनकी पूरी टीम के प्रयासों की विशेष सराहना की।

प्रधानमंत्री ने इस बात पर जोर देते हुए कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने राष्ट्र को दिशा देने में निर्णायक भूमिका निभाई। उन्होंने यह भी कहा कि भारत में दो संविधान, दो प्रतीक चिन्ह और दो प्रधानमंत्रियों के प्रावधान को डॉ. मुखर्जी ने ही समाप्त करने की बात शुरू की थी। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि स्वतंत्रता के बाद भी जम्मू-कश्मीर की व्यवस्था भारत की अखंडता के लिए एक बड़ी चुनौती बनी हुई है। श्री मोदी ने गर्व से कहा कि उनकी सरकार को ही अनुच्छेद 370 की दीवार गिराने का अवसर मिला और आज जम्मू-कश्मीर में भारत का संविधान पूरी तरह से लागू है।

प्रधानमंत्री ने याद दिलाया कि स्वतंत्र भारत के पहले उद्योग मंत्री के रूप में डॉ. मुखर्जी ने आर्थिक आत्मनिर्भरता की नींव रखी और देश को पहली औद्योगिक नीति दी, जिससे भारत में औद्योगीकरण का आधार स्थापित हुआ। उन्होंने कहा कि आज आत्मनिर्भरता का यही मंत्र नई ऊंचाइयों पर पहुंच रहा है, और 'मेड इन इंडिया' उत्पाद विश्व स्तर पर पहुंच रहे हैं। श्री मोदी ने बताया कि उत्तर प्रदेश में ही 'एक जिला एक उत्पाद' का व्यापक अभियान चल रहा है, जिससे लघु उद्योगों और छोटी इकाइयों को मजबूती मिल रही है। उन्होंने कहा कि इसके साथ ही उत्तर प्रदेश में एक महत्वपूर्ण रक्षा गलियारा भी बनाया जा रहा है। प्रधानमंत्री ने उल्लेख किया कि ब्रह्मोस मिसाइल, जिसकी शक्ति का विश्व ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान अनुभव किया था, अब लखनऊ में निर्मित हो रही है। उन्होंने जोर दिया कि वह दिन दूर नहीं जब उत्तर प्रदेश के रक्षा गलियारे को रक्षा विनिर्माण के लिए विश्व स्तर पर

उपराष्ट्रपति ने नई दिल्ली में पंडित मदन मोहन मालवीय की संकलित रचनाओं की अंतिम श्रृंखला 'महामना वांग्मय' का विमोचन किया

- महामना मालवीय ने भारत के प्राचीन मूल्यों और आधुनिक आकांक्षाओं के बीच सेतु का कार्य किया: उपराष्ट्रपति
- महामना वांगमय भारत के स्वतंत्रता संग्राम के बौद्धिक डीएनए को दर्शाता है: उपराष्ट्रपति
- बनारस हिंदू विश्वविद्यालय पंडित मालवीय के शैक्षिक विजन का प्रमाण है: उपराष्ट्रपति
- पंडित मालवीय का शैक्षिक दर्शन राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में परिलक्षित होता है: उपराष्ट्रपति

(जीएनएस)।

उपराष्ट्रपति श्री सी. पी. राधाकृष्णन ने आज नई दिल्ली के भारत मंडपम में महामना पंडित मदन मोहन मालवीय के संकलित रचनाओं की अंतिम श्रृंखला ह्महामना वांग्मयह्व का विमोचन किया।

सभा को संबोधित करते हुए उपराष्ट्रपति ने महामना मालवीय को एक महान राष्ट्रवादी, पत्रकार, समाज सुधारक, अधिवक ता, राजनेता, शिक्षाविद और प्राचीन भारतीय संस्कृति का एक प्रतिष्ठित विद्वान के रूप में वर्णित किया। उन्होंने कहा कि पंडित मालवीय एक दुर्लभ दूरदर्शी थे, जिनका दृढ़ विश्वास था कि भारत का भविष्य उसके अतीत को नकारने में नहीं, बल्कि उसे पुनर्जीवित करने में निहित है, इस प्रकार उन होंने भारत के प्राचीन मूल्यों और आधुनिक लोकतांत्रिक आकांक्षाओं के बीच एक सेतु का कार्य किया।

पंडित मालवीय की वैज्ञानिक और प्रौद्योगिकीय शिक्षा के प्रति प्रतिबद्धता पर प्रकाश डालते हुए उपराष्ट्रपति महादेय ने कहा कि यह प्राचीन और आधुनिक सभ्यताओं के सर्वोत्तम तत्वों का सामंजस्य स्थापित करने की उनकी क्षमता को दर्शाता है।

औपनिवेशिक शासन के दौरान राष्ट्रीय जागरण के सबसे सशक्त साधन के रूप में शिक्षा में महामना मालवीय के विश्वास को याद करते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि बनारस हिंदू विश्वविद्यालय की स्थापना उनके इस विश ास का एक जीवंत प्रमाण है कि आधुनिक शिक्षा और भारतीय संस्कृति को साथ विकसित होना चाहिए।

प्रधानमंत्री 26 दिसंबर को 'वीर बाल दिवस' पर आयोजित कार्यक्रम में भाग लेंगे

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी 26 दिसंबर 2025 को नई दिल्ली के भारत मंडपम में वीर बाल दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित राष्ट्रीय कार्यक्रम में भाग लेंगे। कल दोपहर लगभग 12 बजकर 15 मिनट पर आयोजित कार्यक्रम को प्रधानमंत्री सम्बोधित करेंगे।

वीर बाल दिवस के उपलक्ष्य में, केन्द्र सरकार देश भर में कई कार्यक्रमों का आयोजन कर रही है। इसका उद्देश्य श्री गुरु गोबिंद सिंह जी के पुत्र साहिबजादे बाबा जोरावर सिंह जी और बाबा फतेह सिंह जी के असाधारण साहस और सर्वोच्च बलिदान के बारे में लोगों को बताना और शिक्षित करना तथा भारतीय इतिहास के युवा नायकों के अदम्य साहस, बलिदान और वीरता को सम्मानित और स्मरण करना है।

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने आज मध्य प्रदेश के रीवा में कृषक सम्मेलन को संबोधित किया

बसावन मामा गोवंश वनविहार प्राकृतिक खेती के माध्यम से छोटे और सीमांत किसानों को समृद्ध बनाने का सफल प्रयोग है

प्राकृतिक खेती से किसानों की आय बढ़ेगी, पानी बचेगा और लोगों को कई प्रकार के रोगों से मुक्ति मिलेगी

सहकारिता मंत्रालय ने मल्टी-स्टेट कोऑपरेटिव्स बनाकर ऑर्गेनिक उत्पादों की पैकेजिंग, मार्केटिंग, सर्टिफिकेशन व एक्सपोर्ट के माध्यम से किसानों की आय बढ़ाने की व्यवस्था की है

रीवा क्षेत्र में स्थापित मॉडल फार्म लाखों किसानों का न केवल मार्गदर्शन करेगा, बल्कि प्राकृतिक खेती की दिशा में पथप्रदर्शक की भूमिका भी निभाएगा

सभी प्रकृति की सेवा का संकल्प लें और सबसे अधिक ऑक्सीजन देने वाले पीपल के कम से कम पाँच वृक्ष लगायें

आज देश के 40 लाख किसान प्राकृतिक खेती को अपना चुके हैं और इससे उनका उत्पादन बढ़ रहा है

आने वाले दिनों में देशभर में 400 से अधिक प्रयोगशालाएं किसानों के खेत और उपज को प्राकृतिक होने का सर्टिफिकेट देंगी जिससे किसानों की आय लगभग डेढ़ गुना बढ़ेगी

अटल जी जैसे नेता बहुत कम होते हैं, जिनका कथन और जीवन दोनों एक-दूसरे के पूरक होते हैं

अटल जी ने न सिर्फ हमारी पार्टी बल्कि पूरे देश के सार्वजनिक जीवन में शुचिता और पारदर्शिता को बहुत महत्व दिया

(जीएनएस)।

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने आज मध्य प्रदेश के रीवा में कृषक सम्मेलन को संबोधित किया। इस अवसर पर मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री ने कहा कि बसावन मामा गोवंश वनविहार प्राकृतिक खेती के माध्यम से छोटे और सीमांत किसानों को समृद्ध बनाने का सफल प्रयोग है। उन्होंने कहा कि रीवा क्षेत्र में स्थापित मॉडल फार्म लाखों किसानों का न केवल मार्गदर्शन करेगा, बल्कि प्राकृतिक

खेती की दिशा में पथप्रदर्शक की भूमिका भी निभाएगा। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक खेती एक ऐसा परंपरागत प्रयोग है जिसे हम भूल चुके हैं।

उन्होंने कहा कि प्राकृतिक खेती एक ऐसा प्रयोग है जिसमें गौ माता के गोबर और मूत्र के उपयोग से एक ऐसी व्यवस्था बनती है जो किसान की आय को भी कम नहीं होने देती और उपज भी शुद्ध होती है। एक ही देसी गाय से 21 एकड़ खेत में खाद और पेस्टिसाइड्स के बिना प्राकृतिक खेती होती है। श्री शाह ने कहा कि प्राकृतिक खेती से किसानों की आय बढ़ेगी, पानी बचेगा और अनाज खाने वाले लोगों को कई प्रकार के रोगों से मुक्ति मिलेगी। उन्होंने कहा कि आज देश के 40 लाख किसान प्राकृतिक खेती को अपना चुके हैं और इससे उनका उत्पादन बढ़ रहा है।

श्री अमित शाह ने कहा कि प्राकृतिक खेती के उत्पादों के सर्टिफिकेशन के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी द्वारा गठित सहकारिता मंत्रालय के माध्यम से दो बड़ी कोऑपरेटिव्स ने प्राकृतिक खेती की उपज का सर्टिफिकेशन, विश्व की सबसे आधुनिक लैब में इसका परीक्षण, पैकेजिंग, मार्केटिंग और निर्यात की व्यवस्था की है। उन्होंने कहा कि आने वाले दिनों में देशभर में 400 से अधिक प्रयोगशालाएं किसानों को सर्टिफिकेट देंगी कि उनका खेत और उपज दोनों प्राकृतिक हैं जिससे किसानों की आय लगभग डेढ़ गुना बढ़ेगी। श्री शाह ने कहा कि प्राकृतिक खेती के उत्पादों का दुनियाभर में बहुत बड़ा बाजार उपलब्ध है। उन्होंने कहा कि आज पूरी दुनिया मानती है कि ऑर्गेनिक खाना खाने से स्वास्थ्य अच्छा रहता है।

प्रधानमंत्री ने उत्तर प्रदेश के लखनऊ में राष्ट्र प्रेरणा स्थल के लोकार्पण के विशेष क्षण साझा किए

(जीएनएस)।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने आज उत्तर प्रदेश के लखनऊ में पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के जीवन और आदर्शों को सम्मान देने के लिए नवनिर्मित राष्ट्र प्रेरणा स्थल के उद्घाटन की झलकियां साझा कीं। श्री वाजपेयी की 101वीं जयंती के अवसर पर आयोजित इस कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि आज लखनऊ की यह पावन धरती एक नई प्रेरणा की साक्षी बन रही है। इस दौरान उन्होंने देश और दुनिया को क्रिसमस की शुभकामनाएं भी दीं। प्रधानमंत्री ने इस बात पर विशेष जोर दिया कि 25 दिसंबर का दिन देश की दो महान विभूतियों की जयंती का एक अद्भुत अवसर लेकर आता है। उन्होंने कहा कि भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी जी और भारत रत्न महामना मदन मोहन मालवीय जी ने अपना संपूर्ण जीवन भारत की पहचान, एकता और गौरव की रक्षा के लिए समर्पित कर दिया। प्रधानमंत्री ने रेखांकित किया कि

इन दोनों महान हस्तियों ने अपने योगदान के माध्यम से राष्ट्र निर्माण पर एक अमिट छाप छोड़ी है।

प्रधानमंत्री ने एक्स पर अपनी पोस्ट की एक श्रृंखला में उल्लेख किया:

"राष्ट्र प्रेरणा स्थल में कमल पुष्प के आकार का अत्याधुनिक संग्रहालय निस्वार्थ नेतृत्व और सुशासन की भावना को सजीव रूप में सामने लाता है। यह आने वाली पीढ़ियों को हमारे जननायकों के आदर्शों को आत्मसात कर जीवन में अपनाने की प्रेरणा देता रहेगा।"

"राष्ट्र प्रेरणा स्थल में कमल पुष्प के आकार का अत्याधुनिक संग्रहालय निस्वार्थ नेतृत्व और सुशासन की भावना को सजीव रूप में सामने लाता है। यह आने वाली पीढ़ियों को हमारे जननायकों के आदर्शों को आत्मसात कर जीवन में अपनाने की प्रेरणा देता रहेगा।"

"लखनऊ के मेरे परिवारजनों का उत्साह और उमंग इस बात का प्रमाण है कि देश की महान विभूतियों के आदर्श, मूल्य और राष्ट्रसेवा की भावना आज भी जन-जन का मार्गदर्शन कर रही है।"

"राष्ट्र प्रेरणा स्थल उस सोच का प्रतीक है, जिसने भारत को आत्मसम्मान, एकता और सेवा का मार्ग दिखाया है। यहां डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी, पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी और अटल बिहारी वाजपेयी जी की प्रतिमाएं हमें संदेश देती हैं कि हमारा हर कदम और हर प्रयास राष्ट्र-निर्माण के लिए समर्पित हो।"

केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेन्द्र सिंह ने पारदर्शी और नागरिक-केंद्रित प्रशासन को मजबूत करने के लिए पांच परिवर्तनकारी डिजिटल सुधारों का शुभारंभ किया

- डॉ. जितेन्द्र सिंह ने पूर्व सैनिकों के लिए आरक्षण संकलन, एआई भर्ती साधन, ई-एचआरएमएस 2.0 ऐप, आईजीओटी एआई प्लेटफॉर्म और कर्मयोगी डिजिटल लर्निंग लैब 2.0 की शुरूआत की
- प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में अटल बिहारी वाजपेयी की सुशासन की परिकल्पना साकार हुई है: डॉ. जितेन्द्र सिंह

(जीएनएस)।

केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, पृथ्वी विज्ञान राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) और प्रधानमंत्री कार्यालय, कार्मिक, लोक शिकायत, पेंशन, परमाणु ऊर्जा और अंतरिक्ष राज्य मंत्री डॉ. जितेन्द्र सिंह ने आज नई दिल्ली में सुशासन प्रथाएं 2025 पर राष्ट्रीय कार्यशाला का उद्घाटन किया।

डॉ. जितेन्द्र सिंह ने सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों, नीति निमार्ताओं और हितधारकों को प्रतिवर्ष 25 दिसंबर को मनाए जाने वाले सुशासन दिवस के अवसर पर संबोधित करते हुए कहा कि सुशासन एक अमूर्त आदर्श नहीं बल्कि पारदर्शिता, जवाबदेही और नागरिक-केंद्रित वितरण पर आधारित एक दैनिक प्रशासनिक जिम्मेदारी है।

डॉ. जितेन्द्र सिंह ने कहा कि देश पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती मना रहा है, जिन्होंने सार्वजनिक जीवन में ईमानदारी की अवधारणा को संस्थागत रूप दिया और जनहितैषी शासन की नींव रखी। उन्होंने कहा कि सुशासन का विचार पहले भी व्यक्त किया गया था, लेकिन वर्ष 2014 के बाद से प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में "न्यूनतम सरकार, अधिकतम शासन" के मंत्र के मार्गदर्शन में इसे अक्षरशः और भावपूर्ण ढंग से लागू किया गया है।

डॉ. जितेन्द्र सिंह ने कहा कि कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग (डीओपीटी) इस सुशासन दिवस पर पांच प्रमुख पहलों की शुरूआत कर रहा है, जिनका उद्देश्य मुख्य शासन प्रक्रियाओं को मजबूत करना, प्रमुख हितधारक समूहों का समर्थन करना और तेजी से विकसित हो रहे प्रशासनिक परिदृश्य की चुनौतियों के लिए लोक सेवकों को तैयार करना है।

पहले डिजिटल सुधार में केंद्र सरकार में पूर्व सैनिकों के लिए आरक्षण संबंधी दिशा-निर्देशों का एक संकलन शामिल है, जिसमें सभी मौजूदा निदेर्शों को एक ही, अद्यतन और उपयोगकर्ता अनुकूल संदर्भ में समेकित किया गया है। डॉ. जितेन्द्र सिंह ने कहा कि यह कदम आरक्षण संबंधी लाभों की स्पष्टता, एकरूपता और समयबद्ध वितरण सुनिश्चित करके पूर्व सैनिकों की सेवा का सम्मान करने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

सम्पादकीय

भारत के लिये चिंताजनक पेंटागन की रिपोर्ट!

अमेरिकी रक्षा विभाग यानि पेंटागन की जारी रिपोर्ट में भारत के साथ वाशिगटन डीसी के संबंधों को तो रणनीतिक बताया गया है जबकि चीन पर आरोप लगाया गया है कि वह अपने व भारत के बीच वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर तनाव कम करके अमेरिका के साथ भारत के संबंधों को तनाव पूर्ण बना रहा है। अमेरिका के इस आरोप को चीन के विदेश मंत्रालय के प्रावक्ता लिन जियान ने गलत और शरारतपूर्ण बताते हुए कहा कि चीन भारत के साथ स्थाई और दीर्घकालिक संबंधों को बनाए रखने के लिए हमेशा तत्पर रहता है। रही बात एलएसी पर शांति की तो दोनों देशों के बीच जो भी सीमा विवाद है उसे हम समझदारी से हल करने का प्रायास करते हैं। चीन के विदेश मंत्रालय के प्रावक्ता ने स्पष्ट किया कि दोनों देश आपसी विवादों को सुलझाने में सतत प्रायास कर रहे हैं। दरअसल बात यह है कि अमेरिका एक तरफ तो चाहता है कि भारत चीन के साथ भी न दिखे जबकि दूसरी तरफ वह नई दिल्ली के साथ तनाव पैदा करने का कोई अवसर नहीं छोड़ता। विकास के साथी यूरोपियन देश खुद उससे दूरी बना रहे हैं क्योंकि उन्होंने अमेरिकी हितों से खुद का शोषण होने से बचाने के लिए ही यूरोपियन यूनियन का गठन किया था लेकिन अब उन्हें इस बात का एहसास होने लगा है कि अमेरिकी रक्षा एवं आर्थिक हितों के लिए यही अनुवूल होगा कि यूरोपीय देश स्वतंत्रतापूर्वक अपनी नीतियों का निर्धारण करें ही न। इसलिए यूरोपीय देशों की समझ में यह बात आने लगी है कि भारत स्वतंत्र विदेश, रक्षा और आर्थिक नीतियों के कारण ही आज ब्रिटेन, प्रांस, जापान जैसे देशों को पीछे छोड़कर चौथे स्थान पर पहुंच गया किन्तु यूरोपीय देश जो हमेशा आगे ही रहते थे, आज स्थिरता के शिकार हो गए हैं। असल में अमेरिका यह समझता है कि भारत और चीन से सीमा विवाद के कारण शत्रुता है, इसलिए भारत विवश होकर ही वाशिगटन डीसी के साथ रणनीतिक संबंध जारी रखेगा। आज भी अमेरिका भारत को समझने में गलती कर रहा है। भारत पूरी तरह न तो किसी देश के साथ है और न ही खिलाफ। भारत इस बात को अच्छी तरह जानता है कि यदि वह अमेरिका के साथ पूरी तरह चला गया तो न सिर्प चीन के साथ कड़वाहट बढ़ जाएगी बल्कि जिस तरह रक्षा उत्पादन में उसे रूस का साथ मिल रहा है, वह मुश्किल हो जाएगा। इसी तरह भारत यह भी जानता है कि यदि वह पूरी तरह रूस और चीन के साथ चला जाएगा तो नई दिल्ली के लिए अमेरिका और यूरोपीय देशों से सहयोग लेना मुश्किल हो जाएगा। यही कारण है कि अब भारत जरूरतों के मुताबिक ही सभी देशों से संबंध, सहयोग एवं बातचीत का सिलसिला जारी रख रहा है। भारत अब न तो किसी मित्र देश के लिए किसी मित्र देश के साथ व्यवहार बदलता है और न ही किसी देश के लिए किसी से संबंधों को छोड़ता है। इसका मतलब भारत ने अपने संबंधों को सभी देशों के साथ सामान्य या प्रागाढ़ रखने के लिए अपने राष्ट्रीय हितों को मानदंड मानता है। सच तो यह है कि 1962 को छोड़कर भारत ने कभी भी चीन के मामले में अमेरिका से कोई मदद मांगी ही नहीं है। अमेरिका में 1962 जैसे नेतृत्व आज है भी नहीं। आज का नेतृत्व परिणामों के आधार पर संबंधों का निर्धारण करता है जबकि अमेरिकी प्राशासन 1960 के दशक तक कारणों का मूल्यांकन करके परिणाम निकालता रहा है। असल में पहले का अमेरिकी प्राशासन भी अपने देश के राष्ट्रीय हितों को महत्व देता था जबकि आज का नेतृत्व व्यक्तिगत हितों को कमजोर रिश्तों का मापदंड बनाने की कोशिश करता है। पेंटागन के नजरिए में जब तक बदलाव नहीं आएगा, तब तक वह इसी तरह के भारत-चीन के बीच संबंधों का निष्कर्ष निकालता रहेगा।

सुशासन दिवस समारोह : गांधीनगर : मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल के करकमलों से गुजरात सरकार ने इंटीग्रेटेड रिन्यूएबल एनर्जी पॉलिसी-2025 लॉन्च की

- स्वच्छ एवं टिकाऊ ऊर्जा प्रणाली की दिशा में गुजरात का नीतिगत विजन
- रिन्यूएबल एनर्जी, बैटरी स्टोरेज और नवोन्मेषी तकनीक के जरिए ग्रीन ग्रोथ को गति
- कैप्टिव और थर्ड पार्टी रिन्यूएबल परियोजनाओं के लिए कमीशनिंग समय सीमा में संशोधन
- विंड रीपावरिंग और रीफर्बिशमेंट के लिए प्रावधान

गांधीनगर, 25 दिसंबर : सुशासन के प्रणेता और पूर्व प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती, 25 दिसंबर को हर साल देश भर में सुशासन दिवस के रूप में मनाया जाता है।

गुरुवार को गांधीनगर में मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में आयोजित राज्य स्तरीय समारोह में मुख्यमंत्री के करकमलों से गुजरात सरकार द्वारा इंटीग्रेटेड रिन्यूएबल एनर्जी पॉलिसी-2025 लॉन्च की गई।

मुख्यमंत्री के मार्गदर्शन और ऊर्जा मंत्री श्री ऋषिकेश पटेल एवं राज्य मंत्री श्री कौशिक वेकरिया के नेतृत्व में ऊर्जा विभाग ने जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से निपटने और स्वच्छ एवं टिकाऊ ऊर्जा प्रणालियों की दिशा में तेज गति से परिवर्तन सुनिश्चित करने के लिए गुजरात इंटीग्रेटेड रिन्यूएबल एनर्जी पॉलिसी-2025 तैयार की है।

भारत के पंचामृत संकल्पों, राष्ट्रीय स्तर पर निर्धारित योगदान (एनडीसी) तथा 'विकसित गुजरात@2047' के विजन के अनुरूप यह पॉलिसी राज्य में रिन्यूएबल एनर्जी के क्षेत्र में निवेश, नवाचार और ग्रिड स्थिरता को बढ़ावा देकर गुजरात को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी क्लीन एनर्जी हब के रूप में स्थापित करने की दिशा में एक अहम कदम है।

रिन्यूएबल एनर्जी के क्षेत्र में राज्य की नेतृत्व की परंपरा को आगे बढ़ाते हुए और वर्ष 2030 तक 100 गीगावाट से अधिक क्षमता हासिल करने का लक्ष्य रखते हुए तथा भारत के वर्ष 2030 तक 500 गीगावाट गैर-जीवाश्म ईंधन आधारित ऊर्जा क्षमता के लक्ष्य में महत्वपूर्ण योगदान देने के लिए गुजरात इंटीग्रेटेड रिन्यूएबल पॉलिसी-2025 की घोषणा की जा रही है।

इस पॉलिसी का उद्देश्य सरल और एकीकृत फ्रेमवर्क के माध्यम से ईज ऑफ डूइंग बिजनेस यानी कारोबार सुगमता को बढ़ाना, नवोन्मेषी एवं उभरती प्रौद्योगिकियों को प्रोत्साहन देना, ग्रिड की स्थिरता बढ़ाना, हरित ऊर्जा क्षेत्र में रोजगार सृजन करना तथा ऊर्जा सुरक्षा, किफायती दर एवं टिकाऊ आर्थिक विकास सुनिश्चित करते हुए गुजरात को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी रिन्यूएबल एनर्जी हब के रूप में स्थापित करना है।

इस पॉलिसी का मुख्य आधार बड़े पैमाने पर रिन्यूएबल एनर्जी एकीकरण और ग्रिड स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए बैटरी एनर्जी स्टोरेज सिस्टम (बीईएसएस) को प्रोत्साहन देना और एकीकृत करना है। इसमें सोलर, विंड और हाइब्रिड परियोजनाओं के साथ ग्रिड-कनेक्टेड और को-लोकेटेड बीईएसएस परियोजनाओं को प्रोत्साहन दिया गया है। ट्रांसमिशन सपोर्ट, ग्रिड सहायक सेवाओं, डिस्ट्रिब्यूशन यूटिलिटिज और अंतिम उपभोक्ताओं के लिए बीईएसएस के उपयोग के आयोजन पर विचार किया गया है। बीईएसएस की स्थापना के लिए रणनीतिक स्थान स्टेट नोडल एजेंसी गुजरात ऊर्जा विकास एजेंसी (जीईडीए) द्वारा गुजरात ऊर्जा ट्रांसमिशन कॉर्पोरेशन लिमि. (जीईटीसीओ), राज्य भार प्रेषण केंद्र (एसएलडीसी) और विद्युत वितरण कंपनियों (डिस्कॉम) के साथ समन्वय कर निर्धारित किया जाएगा।

आरई पॉलिसी-2025 के अंतर्गत रिन्यूएबल एनर्जी परियोजनाओं के लिए, मुख्य रूप से कैप्टिव और थर्ड पार्टी बिक्री की परियोजनाओं के लिए कमीशनिंग समय सीमा में संशोधन के लिए अनुकूलता प्रदान की गई है। इवैक्यूएशन इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए कमीशनिंग समय सीमा को परियोजना क्षमता के बजाय वोल्टेज लेवल के आधार पर सुसंगत बनाया गया है। परियोजना तथा इवैक्यूएशन लाइन की कमीशनिंग के लिए अतिरिक्त समय मंजूर किया गया है, जिससे परियोजना का क्रियान्वयन और भी सुगम हो जाएगा।

आरई पॉलिसी-2025, विंड रीपावरिंग एंड रीफर्बिशमेंट के लिए नेशनल रीपावरिंग पॉलिसी के अनुरूप सहायक फ्रेमवर्क स्थापित करती है। मौजूदा विंड टर्बाइन जनरेटर्स को अनिवार्य रूप से डिसमेंटल किए बिना रीपावरिंग और रीफर्बिशमेंट की मंजूरी दी गई है, और इसके लिए समय सीमा को 24 महीने तक बढ़ा दिया गया है। सहायक कदमों में रीपावरिंग समय सीमा के दौरान मौजूदा बिजली खरीद समझौते (पीपीए) की अवधि में विस्तार, ट्रांजिशन के दौरान इस्तेमाल न की गई ट्रांसमिशन क्षमता पर ट्रांसमिशन शुल्क में छूट, रिन्यूएबल एनर्जी कनेक्टिविटी क्षमता बढ़ाने के लिए प्राथमिकता और माइक्रो-सायटिंग नियमों में राहत शामिल है।

अमित शाह का संकेत और मध्यप्रदेश की नई सत्ता-व्यवस्था

(जीएनएस)।

भारतीय राजनीति में कई बार सबसे निर्णायक घटनाएँ भाषणों से नहीं, बल्कि मौन बैठकों और प्रतीकात्मक संकेतों से तय होती हैं। ग्वालियर में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का हालिया दौरा भी इसी श्रेणी में आता है। इसे केवल एक सरकारी कार्यक्रम या विकास केंद्रित आयोजन मानना राजनीतिक दृष्टि से भारी भूल होगी। दरअसल, यह दौरा मध्यप्रदेश की भविष्य की सत्ता-संरचना और नेतृत्व के स्थायित्व पर अंतिम मुहर लगाने वाला साबित हुआ है।

ग्वालियर के ताज होटल के मराठा सूट में अमित शाह और वरिष्ठ भाजपा नेता कैलाश विजयवर्गीय के बीच हुई एकांत चर्चा, उसके बाद प्रदेश के अन्य दिग्गज नेताओं से अलग-अलग संवाद, और फिर मंच से मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मुक्त कंठ से की गई प्रशंसा-यह पूरा क्रम किसी संयोग का परिणाम नहीं था। यह एक सुनियोजित राजनीतिक पटकथा थी, जिसका उद्देश्य भोपाल की राजनीति को यह स्पष्ट रूप से समझाना था कि अब सत्ता की धुरी, दिशा और निर्णय केंद्र कहां स्थित है।

कैलाश विजयवर्गीय केवल एक वरिष्ठ नेता नहीं हैं, बल्कि वे भाजपा के उस वर्ग का प्रतिनिधित्व करते हैं, जिसने संगठन और सरकार-दोनों में शक्ति संतुलन के कई दौर देखे हैं। अमित शाह के साथ उनकी एकांत बैठक को इस दृष्टि से देखना चाहिए कि पार्टी नेतृत्व अब पुराने अनुभव और नए नेतृत्व के बीच किसी भी प्रकार की असमंजस की स्थिति को समाप्त करना चाहता है।

इसके बाद मंच से मुख्यमंत्री मोहन यादव की जिस तरह प्रशंसा की गई, वह केवल उनके कार्यों की सराहना नहीं थी। वह उन सभी राजनीतिक अटकलों पर विराम था, जो यह मानकर चल रही थीं कि नेतृत्व का केंद्र कहीं और से संचालित हो सकता है। दिल्ली ने यह साफ कर दिया कि *मध्यप्रदेश में अब सत्ता का एक ही चेहरा है मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव।

अमित शाह की शैली को समझने वाले जानते हैं कि वे सार्वजनिक मंच से बिना कारण किसी की तारीफ नहीं करते। उनकी हर प्रशंसा के भीतर संगठनात्मक अनुशासन का संदेश छिपा होता है। ग्वालियर से दिया गया यह संदेश केवल मुख्यमंत्री के समर्थन का नहीं था, बल्कि पार्टी के भीतर मौजूद सभी संभावित शक्ति-केंद्रों के लिए भी था।

यह संकेत था कि अब समानांतर राजनीति, अलग-अलग गुटों की सक्रियता या व्यक्तिगत महत्वाकांक्षाओं के लिए सीमित स्थान है। हाईकमान चाहता है कि प्रदेश में राजनीति समन्वय, स्पष्ट नेतृत्व और अनुशासन के सिद्धांत पर आगे बढ़े।

राजनीतिक हलकों में यह चर्चा तेज है कि मुख्यमंत्री मोहन यादव को अब 'फ्री हैंड' मिलने जा रहा है। लेकिन इसका अर्थ केवल प्रशासनिक स्वतंत्रता तक सीमित नहीं है। राजनीति में फ्री हैंड का मतलब होता है-

निर्णय लेने की पूरी स्वतंत्रता,

और उन निर्णयों की पूरी जवाबदेही।

यह वही भरोसा है, जो केंद्रीय नेतृत्व केवल तब देता है, जब उसे लगता है कि नेतृत्व प्रयोग नहीं, बल्कि दीर्घकालिक निवेश* है। अमित शाह का खुला समर्थन इस बात का संकेत है कि पार्टी अब मध्यप्रदेश में अस्थिरता या प्रयोग की राजनीति से आगे बढ़कर स्थायित्व चाहती है।

अब सवाल यह नहीं है कि मुख्यमंत्री कौन है-यह तय हो चुका है। असली सवाल यह है कि भविष्य के सत्ता-समीकरण कैसे आकार लेंगे।

पहला, संगठन और सरकार के बीच संतुलन अब स्पष्ट रूप से मुख्यमंत्री के पक्ष में झुका हुआ दिखाई देता है। इसका मतलब यह नहीं कि संगठन कमजोर होगा, बल्कि यह कि संगठनात्मक निर्णय और सरकारी निर्णय एक ही दिशा में चलेंगे।

दूसरा, वे नेता जो अब तक अपने राजनीतिक भविष्य को लेकर असमंजस में थे, उन्हें यह संदेश मिल चुका है कि आगे बढ़ने का रास्ता मुख्यमंत्री के साथ समन्वय से होकर ही जाता है। अलग-थलग चलने की राजनीति अब लाभकारी नहीं रहेगी।

तीसरा, मंत्रिमंडल और प्रशासनिक संरचना में भी आने वाले समय में ऐसे संकेत दिख सकते हैं, जो यह दशाएँ कि मुख्यमंत्री को नीतिगत और प्रशासनिक फैसलों में अधिक स्वतंत्रता दी जा रही है। यह बदलाव धीरे-धीरे लेकिन स्थायी होगा।

दिल्ली से आया यह संदेश भोपाल की राजनीति के लिए एक साथ अवसर भी है और चेतावनी भी। जो नेता इस संकेत को समय रहते समझ लेंगे, वे सत्ता के केंद्र में बने रहेंगे। जो इसे अनदेखा करेंगे, उनके लिए राजनीतिक हाशिये पर जाने का खतरा बढ़ेगा।

राजनीति में सबसे बड़ा जोखिम अस्पष्टता होती है। ग्वालियर में अमित शाह ने उसी अस्पष्टता को समाप्त किया है। अब यह साफ है कि आने वाले समय में मध्यप्रदेश की राजनीति एक नेतृत्व, एक निर्णय केंद्र और एक दिशा के सिद्धांत पर आगे बढ़ेगी।

दिल्ली ने अपना संदेश दे दिया है। अब भोपाल की राजनीति की परीक्षा है। सवाल अब 'कौन मुख्यमंत्री है' का नहीं, बल्कि 'कौन इस नेतृत्व के साथ कैसे खड़ा होता है' का है।

राजनीति में जो संकेत समय पर पढ़ लेता है, वही भविष्य का हिस्सा बनता है।

बाकी-सत्ता की कहानी में केवल संदर्भ बनकर रह जाते हैं।

रोहित शर्मा ने तोड़ा अपना ही सबसे तेज शतक का रिकॉर्ड, डेविड वॉर्नर की बराबरी कर रचा इतिहास

(जीएनएस)।

भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि उन्हें 'हिटमैन' क्यों कहा जाता है। घरेलू क्रिकेट में करीब 7 साल बाद वापसी करते हुए रोहित ने विजय हजारे ट्रॉफी में सिक्किम के खिलाफ ऐसी पारी खेली, जिसने रिकॉर्ड बुक के पन्नों को पलट कर रख दिया। जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में खेले गए इस मैच में रोहित ने न केवल अपनी फॉर्म दिखाई, बल्कि दुनिया के बड़े-बड़े दिग्गजों को पीछे छोड़ दिया।

वॉर्नर के वर्ल्ड रिकॉर्ड की बराबरी

सिक्किम के खिलाफ 155 रनों की तूफानी पारी खेलकर रोहित शर्मा ने ऑस्ट्रेलिया के पूर्व दिग्गज डेविड वॉर्नर के एक बड़े विश्व रिकॉर्ड की बराबरी कर ली है। अब रोहित के नाम लिस्ट-ए (50 ओवर फॉर्मेट) क्रिकेट में 9 बार 150 से अधिक का स्कोर बनाने का रिकॉर्ड दर्ज हो गया है।

रोहित ने अपने करियर में 8 बार भारत के लिए वनडे मैचों में 150+ रन बनाए हैं, जबकि एक बार उन्होंने मुंबई के लिए खेलते हुए यह कारनामा किया। वहीं वॉर्नर ने 210 मैचों में 9 बार यह जादुई आंकड़ा छुआ था।

सिर्फ 62 गेंदों में जड़ा शतक

इस मैच की सबसे बड़ी हाईलाइट रोहित का शतक रहा। उन्होंने महज 62 गेंदों में अपनी सेंचुरी पूरी की। यह रोहित के करियर का सबसे तेज शतक है। इससे पहले उनका सबसे तेज शतक 63 गेंदों में था, जो उन्होंने 2023 वनडे वर्ल्ड कप में अफगानिस्तान के खिलाफ दिल्ली में बनाया था। 94 गेंदों की अपनी पारी में रोहित ने 18 चौके और 9 छक्के जड़े। उनका स्ट्राइक रेट 164.89 का रहा, जिसने विपक्षी गेंदबाजों को पूरी तरह पस्त कर दिया।

बने दूसरे सबसे उम्रदराज शतकवीर

38 साल और 238 दिन की उम्र में शतक जड़कर रोहित विजय हजारे ट्रॉफी के इतिहास में सेंचुरी लगाने वाले दूसरे सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बन गए हैं। इस सूची में पहले स्थान पर बंगाल के अनुस्तूप मजूमदार हैं, जिन्होंने 39 साल की उम्र में यह उपलब्धि हासिल की थी। रोहित शर्मा दुनिया के इकलौते ऐसे बल्लेबाज हैं जिनके नाम लिस्ट-ए क्रिकेट में तीन दोहरे शतक हैं। उनकी 264 (बनाम श्रीलंका), 209 (बनाम ऑस्ट्रेलिया) और 208* (बनाम श्रीलंका) जैसी पारियां आज भी क्रिकेट प्रेमियों के जेहन में ताजा हैं।

कौन हैं शैरोन वर्मा? जिनकी कॉमेडी से बिलबिला उठे इस्लामी कट्टरपंथी! बिहार की लड़की ने मचाया बवाल

(जीएनएस)।

'इंडियाज गॉट लेटेंट' से पहचान बनाने वाली स्टैंड-अप कॉमेडियन शैरोन वर्मा इन दिनों सोशल मीडिया के सबसे बड़े विवाद का चेहरा बन चुकी हैं। वजह कोई राजनीतिक बयान नहीं, बल्कि एक तंज भरा जोक है। एक वीडियो क्लिप ने शैरोन को अचानक ट्रोलिंग, धमकियों और वैचारिक हमलों के केंद्र में ला खड़ा किया है। शैरोन वर्मा की कॉमेडी पर 'इस्लामी कट्टरपंथी' भड़क उठे हैं। ये पूरा विवाद 'Free Palestine' से जुड़ा हुआ है।

शैरोन वर्मा देश की जानी-मानी स्टैंड-अप कॉमेडियन हैं। बिहार पटना की रहने वाली शैरोन वर्मा के इंस्टाग्राम और यूट्यूब पर लाखों फॉलोअर्स हैं। ऐसे में आइए जानते हैं कि शैरोन वर्मा को लेकर क्यों विवाद हो रहा है। इसके साथ उनके करियर और बैकग्राउंड के बारे में आपको और जानकारी देंगे।

शैरोन वर्मा का वायरल वीडियो और विवाद की शुरूआत

सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो में शैरोन वर्मा अपने शो के दौरान दर्शकों के ऑनलाइन कमेंट्स पढ़ती दिखती हैं। इसी दौरान उन्होंने एक ऐसे यूजर का जिक्र किया, जिसकी प्रोफाइल बायो में 'Free Palestine' लिखा था, लेकिन जिसने शैरोन को "रसोई में जाकर बर्तन धोने" जैसी बात कही थी। शैरोन ने इस पर तंज कसते हुए उस दोहरी मानसिकता पर कटाक्ष किया, जो एक तरफ खुद को प्रगतिशील बताती है और दूसरी तरफ महिलाओं के लिए अपमानजनक भाषा इस्तेमाल करती है। यही तंज विवाद की जड़ बन गया।

वीडियो सामने आते ही कुछ सोशल मीडिया अकाउंट्स ने आरोप लगाया कि शैरोन ने 'Free PÔlesti»»fe' जैसे संवेदनशील नारे का मजाक उड़ाया है। देखते ही देखते मामला (ट्विटर का बदला हुआ नाम) पर ट्रेंड करने लगा। कई पोस्ट्स में इसे धार्मिक और राजनीतिक भावनाओं से जोड़ दिया गया, जबकि कुछ जगहों पर भाषा बेहद आक्रामक और धमकी भरी हो गई।

विरोध करने वालों का कहना है कि अंतरराष्ट्रीय मुद्दों से जुड़े शब्दों को कॉमेडी में लाना गलत है, चाहे इरादा कुछ भी क्यों न हो। इसी तर्क के सहारे शैरोन को कटघरे में खड़ा किया गया।

विवाद के बीच Muslim IT Cell से जुड़े अकाउंट्स और समर्थकों ने शैरोन पर निजी हमले शुरू कर दिए। पोस्ट्स में उनके बिहार से होने, मुंबई में पली-बढ़ी होने और 'फैमिली स्ट्रगल' की कहानी पर सवाल उठाए गए।

कई यूजर्स ने आरोप लगाया कि शैरोन ने इंसानी त्रासदी को तमाशा बनाया है, जबकि कुछ ने यहां तक लिखा कि "नरसंहार पर मजाक कॉमेडी नहीं, घटियापन है"।

शैरोन वर्मा पर क्यों बरस रहा है कट्टरपंथी गुस्सा?

सोशल मीडिया पर कई यूजर्स का दावा है कि शैरोन वर्मा के खिलाफ माहौल बनाने में वही इस्लामी कट्टरपंथी एक्टिव हैं, जिन्हें कभी मुनव्वर फारूकी की तीखी और हिंदू-विरोधी टिप्पणियां 'कॉमेडी' लगती थीं। लोगों का कहना है कि यह पूरा मामला दोहरे मापदंडों और चयनात्मक आक्रोश की साफ मिसाल बन चुका है।

ने तोड़ा एबी डिविलियर्स का 10 साल पुराना वर्ल्ड रिकॉर्ड, विजय हजारे ट्रॉफी में रचा इतिहास

(जीएनएस)।

भारतीय क्रिकेट में वैभव सूर्यवंशी का नाम पिछले कुछ समय से लगातार सुर्खियों में बना हुआ है। विजय हजारे ट्रॉफी 2025-26 के प्लेट ग्रुप मुकाबले में बिहार के इस 14 वर्षीय बल्लेबाज ने वह कर दिखाया, जो क्रिकेट के इतिहास में आज तक बड़े-बड़े दिग्गज भी नहीं कर सके। अरुणाचल प्रदेश के खिलाफ खेलते हुए वैभव ने न सिर्फ रनों की बारिश की, बल्कि वर्ल्ड रिकॉर्ड्स की झड़ी लगा दी।

एबी डिविलियर्स का 10 साल पुराना रिकॉर्ड ध्वस्त

वैभव सूर्यवंशी ने अपनी 190 रनों की ऐतिहासिक पारी के दौरान साउथ अफ्रीका के दिग्गज बल्लेबाज एबी डिविलियर्स का एक बड़ा रिकॉर्ड तोड़ दिया। डिविलियर्स ने 2015 वर्ल्ड कप में वेस्टइंडीज के खिलाफ 64 गेंदों में 150 रन बनाए थे। लेकिन समस्तीपुर के इस लाल ने महज 59 गेंदों में 150 रन ठोककर 'मिस्टर 360' को पीछे छोड़ दिया और लिस्ट-ए क्रिकेट में सबसे तेज 150 रन बनाने वाले खिलाड़ी बन गए।

लिस्ट-ए क्रिकेट में सबसे युवा शतकवीर

वैभव ने इस मैच में 84 गेंदों पर 190 रन बनाए, जिसमें 16 चौके और 15 गगनचुंबी छक्के शामिल थे। इस शतकीय पारी के साथ ही उन्होंने एक अनोखा कीर्तिमान स्थापित किया है। वह दुनिया के पहले पुरुष क्रिकेटर बन गए हैं, जिन्होंने 15 साल की उम्र पूरी करने से पहले लिस्ट-ए (वनडे) और टी20, दोनों फॉर्मेट में शतक जमाए हैं। 14 साल 272 दिन की उम्र में शतक लगाकर वह लिस्ट-ए क्रिकेट में सबसे युवा शतकवीर बन गए हैं। उन्होंने पाकिस्तान के जहूर इलाही का 1986 से चला आ रहा रिकॉर्ड तोड़ दिया।

सबसे तेज शतकों की रेस में बिहार का दबदबा

वैभव ने अपना शतक सिर्फ 36 गेंदों में पूरा किया। हालांकि, दिलचस्प बात यह रही कि इसी मैच में उनके साथी खिलाड़ी और बिहार के कप्तान साकिबुल गनी ने महज 32 गेंदों में शतक जड़कर भारत की ओर से लिस्ट-ए में सबसे तेज शतक का रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया। वहीं, एक अन्य मैच में ईशान किशन ने भी 33 गेंदों में सेंचुरी ठोकी। फिलहाल वैभव भारत के लिए सबसे तेज लिस्ट-ए शतक लगाने वाले बल्लेबाजों की सूची में चौथे स्थान पर हैं।

क्यों कार्तिक अपने नाम के आगे लगाते हैं 'आर्यन'? क्या है इनकी जाति?

(जीएनएस)।

आज पर्दे पर कार्तिक आर्यन और अनन्या पांडे की फिल्म 'तू मेरी मैं तेरा मैं तेरा तू मेरी' रिलीज हुई है। क्रिसमस के मौके पर रिलीज हुई ये फिल्म लोगों को सर्द मौसम में रूमानियत का एहसास कराती है, फिल्म को ठीक-ठाक ओपनिंग मिली है, लोगों को कार्तिक आर्यन और अनन्या पांडे को कमेस्ट्री पसंद आ रही है, हालांकि पुराने गानों को रीक्रिएट करने की वजह से कार्तिक आर्यन ट्रोलर्स के हत्थे भी चढ़ें हैं लेकिन इसके बावजूद कार्तिक आर्यन ही सोशल मीडिया पर इस वक्त चर्चा का केंद्र बने हुए हैं।

आपको बता दें कि बहुत कम वक्त में इंडस्ट्री में स्पेशल जगह बनाने वाले कार्तिक आर्यन के सरनेम को लेकर अक्सर लोग कन्फ्यूज हो जाते हैं और उन्हें लेकर उनकी कास्ट का अंदाजा लगाने लगते हैं। आर्यन उनका सरनेम नहीं है, बल्कि उन्होंनें अपने नाम के आगे आर्यन इसलिए लगाया क्योंकि उन्हें लगता था कि शोबिज के लिए ये नाम ज्यादा पावरफुल और अटरेक्शन पैदा करने वाला है।

खास बात ये है कि 'आर्यन' उनका मध्य नाम था जिसे उन्होंने सरनेम ' की जगह इस्तेमाल करना शुरू कर दिया, मालूम हो कि कार्तिक का सरनेम तिवारी है यानी कि उनका पूरा नाम कार्तिक आर्यन तिवारी है, बिना किसी फिल्मी गॉडफादर के इंडस्ट्री में पहचान बनाने वाले कार्तिक आर्यन का जन्म 22 नवंबर 1990 को ग्वालियर, मध्य प्रदेश में हुआ था।

वो एक पढ़े-लिखे संभ्रात परिवार से ताल्लुक रखते हैं। उनके मम्मी-पापा डॉक्टर हैं। उनके पिता मनीष तिवारी, एक पीडियाट्रिशियन हैं, और उनकी मां, माला तिवारी, एक गायनेकोलॉजिस्ट है।

कार्तिक आर्यन तिवारी उपनाम से आते हैं और उनका परिवार ब्राह्मण समुदाय से जुड़ा माना जाता है हालांकि खुद कार्तिक आर्यन ने कभी भी अपनी जाति को अपनी पहचान का आधार नहीं बनाया। वे अक्सर इंटरव्यू में कहते हैं कि मेहनत, अनुशासन और आत्मविश्वास ही उनकी असली पहचान है।

कार्तिक आर्यन को एक डाउन-टू-अर्थ, मेहनती और अनुशासित अभिनेता माना जाता है। वे सोशल मीडिया पर भी काफी लोकप्रिय हैं और युवाओं के बीच उनकी बड़ी फैन फॉलोइंग है। आर्यन ने अपनी स्कूल की पढ़ाई सेंट पॉल स्कूल, ग्वालियर से की, बाद में उन्होंने डीवाई पाटिल यूनिवर्सिटी, नवी मुंबई, महाराष्ट्र से बायोटेक्नोलॉजी में इंजीनियरिंग की डिग्री हासिल की लेकिन उन्हें शुरू से ही फिल्मों का शौक था और एक्टिंग के क्षेत्र में अपना करियर बनाना चाहते थे।

आर्यन ने यूनिवर्सिटी में रहते हुए मॉडलिंग करियर शुरू किया और तीन साल तक फिल्मों के लिए ऑडिशन देने में असफल रहने के बाद, उन्होंने क्रिएटिंग कैरेक्टर्स इंस्टीट्यूट से एक्टिंग कोर्स किया। उन्होंने अपने माता-पिता को एक्टर बनने की अपनी इच्छा के बारे में तभी बताया जब उन्होंने अपनी पहली फिल्म साइन की। बाद में, अपनी पहली फिल्म रिलीज होने के बाद, उन्होंने अपनी मां के कहने पर अपनी इंजीनियरिंग की डिग्री पूरी की।

RNI No.: UPHIN/25/A1697 Published & Owned by AJAYKUMAR RAMANLAL PRAJAPATI and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh.
and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : ASHWANI KUMAR

सीसीपीए ने यूपीएससी सिविल सेवा परीक्षा के परिणामों पर भ्रामक विज्ञापन देने वाले कोचिंग संस्थान पर 11 लाख रुपये का जुमार्ना लगाया

(जीएनएस)।

केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (सीसीपीए) ने उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 2019 के उल्लंघन में यूपीएससी सिविल सेवा परीक्षा (सीएसई) 2022 और 2023 के परिणामों से संबंधित अपनी आधिकारिक वेबसाइट पर भ्रामक विज्ञापन प्रकाशित करने के लिए विजन आईएएस (अजयविजन एजुकेशन प्राइवेट लिमिटेड) पर 11 लाख रूपए का जुमार्ना लगाया है।

संस्थान ने "सीएसई 2023 में शीर्ष 10 में 7 और शीर्ष 100 में 79 चयन" और "सीएसई 2022 में शीर्ष 50 में 39 चयन" जैसे दावों का विज्ञापन किया था, जिसमें सफल उम्मीदवारों के नाम, तस्वीरें और रैंक प्रमुखता से प्रदर्शित किए गए थे।

जांच करने पर, सीसीपीए ने पाया कि संस्थान ने श्री शुभम कुमार (यूपीएससी सीएसई 2020 में प्रथम

स्थान प्राप्त करने वाले) द्वारा चुने गए विशिष्ट पाठ्यक्रम, अर्थात जीएस फाउंडेशन बैच (कक्षा छात्र) का खुलासा तो किया, लेकिन जानबूझकर अन्य सफल उम्मीदवारों द्वारा चुने गए पाठ्यक्रमों के बारे में जानकारी छिपा दी, जिनके नाम और तस्वीरें उसी वेबपेज पर उनके साथ प्रदर्शित की गई थीं।

इस छिपाव से यह भ्रामक धारणा बनी कि शेष सभी उम्मीदवार भी जीएस फाउंडेशन बैच क्लासरूम कोर्स में नामांकित थे, जबकि वास्तव में ऐसा नहीं था। इसके अतिरिक्त, उसी विज्ञापन में संस्थान ने अपने "फाउंडेशन कोर्स" का प्रमुखता से प्रचार किया, जिसकी फीस लाखों रुपये में है। इस प्रकार के आचरण से छात्रों को झूठे, बढ़ा-चढ़ाकर पेश किए गए और असत्यापित दावों के आधार पर संस्थान के कार्यक्रमों में दाखिला लेने के लिए प्रेरित किया गया।

विस्तृत जांच के बाद सीसीपीए ने पाया कि संस्थान ने यूपीएससी सीएसई 2022 और 2023 में 119 से अधिक सफल उम्मीदवारों का दावा किया था। हालांकि, केवल तीन उम्मीदवारों ने फाउंडेशन कोर्स में दाखिला लिया था, जबकि शेष 116 उम्मीदवारों ने प्रारंभिक और मुख्य परीक्षा के लिए टेस्ट सीरीज, अभ्यास टेस्ट (एक बार के टेस्ट) और मॉक इंटरव्यू प्रोग्राम जैसी सेवाओं का विकल्प चुना था। महत्वपूर्ण जानकारी को जानबूझकर

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने कांकरिया कार्निवल का शुभारंभ किया

- मुख्यमंत्री ने मनपा और औडा के 526 करोड़ रुपए से अधिक के विभिन्न विकास कार्यों का शिलान्यास और लोकार्पण भी किया
- श्री नरेन्द्र मोदी के विजन के परिणामस्वरूप कांकरिया तालाब और कांकरिया कार्निवल बेमिसाल और बेजोड़ बन गए हैं : मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल :

- प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व और मार्गदर्शन में शहरों की सुख-सुविधा में नए कीर्तिमान स्थापित हुए
- कांकरिया कार्निवल जैसे आयोजनों से रिक्रिएशनल ट्रांसफॉर्मेशन हुआ है
- विकास कार्यों के लोकार्पण से कांकरिया कार्निवल अब विकास कार्निवल भी बन गया है
- ड्रोन शो तथा लाइट एंड साउंड शो से कांकरिया का आकाश जगमगा उठा, ड्रोन के जरिए उभरी आत्मनिर्भर भारत और स्वदेशी अभियान की आकृतियां बनी आकर्षण का केंद्र
- कार्निवल परेड के साथ कांकरिया कार्निवल का रंगारंग प्रारंभ
- प्रभारी मंत्री श्री ऋषिकेश पटेल, शहरी विकास राज्य मंत्री श्रीमती दर्शनाबेन वाघेला की प्रोत्साहिक उपस्थिति

- सांस्कृतिक कार्यक्रम में कीर्तिदान गढ़वी ने जमाया रंग

गांधीनगर, 25 दिसंबर : मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने गुरुवार को अहमदाबाद में देश और दुनिया में विख्यात हो चुके कांकरिया कार्निवल-2025 का रंगारंग शुभारंभ किया।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने पूर्व प्रधानमंत्री और भारत रत्न श्री अटल बिहारी वाजपेयी की 101वीं जयंती के अवसर पर भाववंदना करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने वर्ष 2014 से सुशासन के प्रणेता अटल जी के जन्मदिन को सुशासन दिवस के रूप में मनाने की शुरूआत की। उन्होंने कहा कि सुशासन के माध्यम से अंतिम छोरे के लोगों को विकास की मुख्यधारा में शामिल किया जा सकता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में अहमदाबाद महानगर पालिका (एएमसी) ने महानगर को कांकरिया लेकफ्रंट, साबरमती रिवरफ्रंट, अटल ब्रिज, शॉपिंग फेस्टिवल, फ्लावर शो औ काइट फेस्टिवल जैसे अनेक आकर्षणों की भेंट दी है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री की मंशा है कि नागरिकों को मनोरंजन की सुविधाएं मिलने के साथ-साथ शहरों में लोगों की सुख-सुविधाओं में इजाफा हो और हैप्पीनेस इंडेक्स ऊपर उठे। उन्होंने कहा कि शहरीजनों की सुविधाओं के मामले में गुजरात ने अनेक कीर्तिमान स्थापित किए हैं।

उन्होंने आगे कहा कि पहले कांकरिया की पहचान केवल एक तालाब के रूप में सीमित थी। श्री नरेन्द्र मोदी ने इस तालाब का कायापलट किया और कांकरिया कार्निवल की शुरूआत की। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के विजन के परिणामस्वरूप आज कांकरिया तालाब और कांकरिया कार्निवल बेमिसाल और बेजोड़ बन गए हैं।

सीएक्यूएम ने धूल नियंत्रण उपायों का आकलन करने के लिए सड़कों का निरीक्षण किया

वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) ने धूल नियंत्रण उपायों का आकलन करने के लिए 24.12.2025 को लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) की सड़कों का निरीक्षण किया तथा दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) की सड़क पट्टियों का पुनः निरीक्षण किया

डीडीए के उन हिस्सों में काफी सुधार देखा गया जहां अत्यधिक धूल की शिकायतें दर्ज की गई थीं वहीं, लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) को जमीनी स्तर पर उपायों को और तेज करने और अधिक सख्त एवं प्रभावी बनाने के निर्देश दिए गए

(जीएनएस)।

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) एवं आसपास के क्षेत्रों में वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) ने 24.12.2025 को एक निरीक्षण अभियान चलाया। यह निरीक्षण 12.12.2025 को किए गए निरीक्षणों के बाद संबंधित सड़क-रखरखाव एजेंसियों द्वारा अपनाए गए सुधारात्मक उपायों के अनुपालन और उनकी प्रभावशीलता का आकलन करने के लिए किया गया। यह कार्रवाई वैधानिक ढांचे तथा वर्तमान में लागू ग्रेडेड रिस्पॉन्स एक्शन प्लान जीआरएपी) के प्रावधानों के तहत आयोग की सतत निगरानी और निरंतर प्रवर्तन प्रयासों का हिस्सा थी।

इस निरीक्षण अभियान का मुख्य उद्देश्य सड़कों पर दिखाई देने वाली धूल के जमाव का आकलन करना, मैकेनिकल रोड स्वीपिंग मशीनों (एमआरएसएम) की जमीनी स्तर पर हो रही कार्यवाही की समीक्षा करना, साथ ही नगर ठोस अपशिष्ट (एमएसडब्ल्यू) और निर्माण एवं विध्वंस (सीएंडडी) कचरे के जमाव तथा खुले में कचरा जलाने की घटनाओं की पहचान करना था।

आयोग के निदेशों के तहत, लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) द्वारा बनाए गए 106 सड़क खंडों के निरीक्षण के लिए दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति (डीपीसीसी) की कुल 15 टीमों तथा दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) के अधिकार क्षेत्र में आने वाले चयनित 27 सड़क खंडों के पुनः निरीक्षण के लिए केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) की 02 टीमों को तैनात किया गया। निरीक्षण के दौरान जियो-टैग्ड और समय-चिह्नित फोटोग्राफिक दस्तावेजीकरण किया गया, जिसे समेकित निरीक्षण रिपोर्ट के हिस्से के रूप में आयोग को प्रस्तुत किया गया।

12.12.2025 को किए गए निरीक्षण के दौरान जिन 27 सड़क खंडों (डीडीए द्वारा अनुरक्षित) में अत्यधिक दृश्य धूल पाई गई थी, उनके 24.12.2025 को पुनः निरीक्षण के दौरान यह देखा गया कि अब इनमें से कोई भी यानी 0 स्ट्रेच (खंड) हाई डस्ट कैटेगरी में नहीं आया। इनमें से 07 सड़क खंडों में मध्यम स्तर की धूल, 19 में कम धूल स्तर दर्ज किया गया, जबकि 01 सड़क खंड पर कोई दृश्य धूल नहीं पाई गई। यह स्थिति इन सड़क खंडों के रख-रखाव में स्पष्ट सुधार को दर्शाती है और इससे यह भी साबित होता है कि पहले सीएक्यूएम द्वारा किए गए निरीक्षण के बाद संबंधित एजेंसी द्वारा अपनाए गए सुधारात्मक उपाय प्रभावी रहे हैं।

साथ ही, पीडब्ल्यू द्वारा अनुरक्षित 106 सड़क खंडों के निरीक्षण में यह पाया गया कि 09 सड़क खंडों में डस्ट यानि धूल का स्तर अत्यधिक, 16 में मध्यम, 37 में कम, जबकि 44 सड़क खंडों में कोई दिखाई देने वाली धूल नहीं पाई गई। जिन कुछ सड़क खंडों में धूल की तीव्रता अधिक दर्ज की गई, वहाँ नगर ठोस कचरे (एमएसडब्ल्यू) और निर्माण एवं विध्वंस (सीएंडडी) कचरे का जमाव, साथ ही खुले में कचरा जलाने की घटनाएँ भी सामने आईं।

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह शुक्रवार को नई दिल्ली में 'आतंकवाद निरोधी सम्मेलन' का उद्घाटन करेंगे

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के आतंकवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस विजन के तहत आयोजित यह वार्षिक सम्मेलन उभरते खतरों से निपटने के लिए भारत की अगली पीढ़ी की रणनीतियों पर विचार-विमर्श करने का एक मंच बन गया है

सम्मेलन ऑपरेशनल फोर्सो, तकनीकी, कानूनी और फोरेंसिक विशेषज्ञों और आतंकवाद विरोधी गतिविधियों में लगी एजेंसियों के लिए राष्ट्रीय सुरक्षा को प्रभावित करने वाले मुद्दों और आतंकवाद से उत्पन्न होने वाले खतरों पर विचार-विमर्श करने के एक मंच के रूप में उभरा है

(जीएनएस)।

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह शुक्रवार, 26 दिसंबर 2025 को नई दिल्ली में 'आतंकवाद निरोधी सम्मेलन' का उद्घाटन करेंगे। दो दिवसीय सम्मेलन भारत सरकार के गृह मंत्रालय के अंतर्गत राष्ट्रीय जांच एजेंसी (NIA) द्वारा आयोजित किया जा रहा है।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के आतंकवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस विजन के तहत आयोजित यह वार्षिक सम्मेलन उभरते खतरों से निपटने के लिए भारत की अगली पीढ़ी की रणनीतियों पर विचार-विमर्श करने का एक मंच बन गया है। यह सम्मेलन ऑपरेशनल फोर्सो, तकनीकी, कानूनी और फोरेंसिक विशेषज्ञों और आतंकवाद विरोधी गतिविधियों में लगी एजेंसियों के लिए राष्ट्रीय सुरक्षा को प्रभावित करने वाले मुद्दों और आतंकवाद से उत्पन्न होने वाले खतरों पर विचार-विमर्श करने के एक मंच के रूप में उभरा है।

सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य आतंकवाद के खतरे के खिलाफ समन्वित कार्रवाई के लिए औपचारिक और अनौपचारिक चैनल स्थापित करके विभिन्न हितधारकों के बीच तालमेल विकसित करना और भविष्य की नीति निर्माण के लिए ठोस सुझाव प्रस्तुत करना है।

दो दिवसीय सम्मेलन में होने वाली चचाओं और विचार-विमर्श का उद्देश्य आतंकवाद विरोधी मुद्दों से निपटने में कानून प्रवर्तन एजेंसियों के अनुभवों और अच्छी प्रथाओं और आतंकी जांच से मिली सीख को साझा करना है।

इस सम्मेलन में विदेशी न्यायक्षेत्रों से साक्ष्य एकत्र करने, आतंकवाद विरोधी जांच में डिजिटल फोरेंसिक और डेटा विश्लेषण, मुकदमे का प्रभावी प्रबंधन, कट्टरता से निपटना, जासूसी और राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए उभरते खतरों सहित आतंकवाद से संबंधित अन्य विषयों पर सत्र शामिल हैं।

यात्री किराया युक्तिसंगत; उपनगरीय सेवाओं, सीजन टिकटों और 215 किमी तक की द्वितीय श्रेणी की साधारण यात्राओं के लिए कोई किराया वृद्धि नहीं

- भारतीय रेलवे ने यात्री किराया संरचना को युक्तिसंगत बनाया; उपनगरीय सेवाओं, सीजन टिकटों और 215 किमी तक की द्वितीय श्रेणी की साधारण यात्राओं के लिए कोई किराया वृद्धि नहीं
- यात्रियों पर न्यूनतम प्रभावः शयनयान और प्रथम श्रेणी साधारण में केवल 1 पैसे प्रति किमी की बढ़ोतरी
- एसी एवं नॉन-एसी श्रेणियों में मेल/एक्सप्रेस ट्रेनों के किराए में संशोधन 2 पैसे प्रति किमी तक सीमित वृद्धि
- किराया युक्तिसंगत बनाने के तहत आरक्षण शुल्क या सुपरफास्ट शुल्कों में कोई बदलाव नहीं; जीएसटी प्रयोज्यता और किराया पूर्णांकन नियम भी अपरिवर्तित
- संशोधित किराया केवल 26 दिसंबर 2025 से बुक किए गए टिकटों पर लागू होगा, पहले से बुक टिकटों पर भविष्य की यात्रा के लिए भी कोई प्रभाव नहीं

(जीएनएस)।

रेलवे ने यात्रियों के लिए किराया वहनीय बनाने और परिचालन की स्थिरता के बीच संतुलन बनाए रखने के उद्देश्य से 26 दिसंबर 2025 से अपने यात्री किराया ढांचे को युक्तिसंगत बना दिया है।

संशोधित किराया संरचना के तहत उपनगरीय सेवाओं और सीजन टिकटों के किराए में कोई बदलाव नहीं किया गया है, जिसमें उपनगरीय और गैर-उपनगरीय दोनों मार्ग शामिल हैं।

साधारण नॉन-एसी (गैर-उपनगरीय) सेवाओं के लिए द्वितीय श्रेणी साधारण, स्लीपर श्रेणी साधारण और प्रथम श्रेणी साधारण में किराए को श्रेणीबद्ध तरीके से युक्तिसंगत बनाया गया है।

साधारण द्वितीय श्रेणी में 215 किमी तक की यात्राओं के लिए किराए में कोई वृद्धि नहीं है, जिससे कम दूरी और दैनिक यात्रियों पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता है। 216 किमी से 750 किमी तक की दूरी के लिए किराया 5 रुपये बढ़ाया गया है। इससे अधिक दूरी की यात्राओं के लिए वृद्धि चरणबद्ध तरीके से लागू की गई है- 751 किमी से 1250 किमी के बीच की दूरी के लिए 10 रुपये, 1251 किमी से 1750 किमी के बीच की दूरी के लिए 15 रुपये और 1751 किमी से 2250 किमी के बीच की दूरी के लिए 20 रुपये।

स्लीपर श्रेणी साधारण और प्रथम श्रेणी साधारण में गैर-उपनगरीय यात्राओं के लिए किराए में प्रति किलोमीटर 1 पैसे की दर से एकसमान संशोधन किया गया है, जिससे किराए में क्रमिक और सीमित वृद्धि सुनिश्चित हुई है।

मेल/एक्सप्रेस ट्रेनों में नॉन-एसी और एसी दोनों श्रेणियों में किराए में 2 पैसे प्रति किलोमीटर की बढ़ोतरी की गई है। इसमें स्लीपर क्लास, फर्स्ट क्लास, एसी चेयर कार, एसी थ्री-टियर, एसी टू-टियर और एसी फर्स्ट क्लास शामिल हैं। उदाहरण के तौर पर नॉन-एसी मेल/एक्सप्रेस कोच में 500 किलोमीटर की यात्रा के लिए यात्रियों को लगभग 10 रुपये अतिरिक्त देने होंगे।

तेजस राजधानी, राजधानी, शताब्दी, दुरंतो, वंदे भारत, हमसफर, अमृत भारत, तेजस, महामाना, गतिमान, अंत्योदय, गरीब रथ, जन शताब्दी, युवा एक्सप्रेस, नमो भारत रैपिड रेल और साधारण गैर-उपनगरीय सेवाओं (जहां लागू हो, एसी एमईएमयू/डीईएमयू को छोड़कर) सहित प्रमुख रेल सेवाओं के मौजूदा मूल किरायों को अनुमोदित श्रेणीवार मूल किराया वृद्धि के अनुरूप संशोधित किया गया है। यह संशोधन सभी श्रेणियों में समान रूप से और एक क्रमबद्ध तरीके से किया गया है।

गौरतलब है कि आरक्षण शुल्क, सुपरफास्ट अधिभार या अन्य सहायक शुल्कों में कोई बदलाव नहीं किया गया है, ये सभी मौजूदा नियमों के अनुसार ही लागू रहेंगे। जीएसटी की प्रयोज्यता अपरिवर्तित रहेगी और किराए को प्रचलित मानदंडों के अनुसार किराय का पूर्णांकन जारी रहेगा।

संशोधित किराया केवल 26 दिसंबर 2025 को या उसके बाद बुक किए गए टिकटों पर लागू होगा।

मॉडल और एक्ट्रेस हिमांशी खुराना की हत्या पार्टनर अब्दुल ने की? पुलिस ने शुरू की जांच

(जीएनएस)।

एक्ट्रेस और मॉडल हिमांशी खुराना की हत्या उनके पार्टनर अब्दुल गफ़ूरी ने कनाडा के टोरंटो में की है। इसके बाद हिमांशी खुराना के फैंस चौंक गए है। ऐसी खबर (पहले ट्वीटर) में तेजी से वायरल हो रही है। इसपर पूरा इंटरनेट भी दो धड़ों में बट गया है। कुछ लोगों का कहना है कि जिस हिमांशी की हत्या हुई है वो कोई दूसरी है। उसका एक्ट्रेस से कोई लेना नहीं है। वहीं कुछ लोग शोक भी मना रहे हैं। लेकिन सच क्या है? हम आपको अपनी इस रिपोर्ट में बता रहे हैं।

दरअसल (पहले ट्वीटर) की वायरल पोस्ट में लिखा है, पंजाब के कारतपुर की की हिमांशी खुराना एक पंजाबी फिल्मों की अभिनेत्री व माडल सेक्युलर हिन्दू लड़की..... सेक्युलर देश कनाडा में रहती थीं। भारत इसको इस्लामिक फोबिया से ग्रस्त दिखता था। कनाडा पहुंच इन्होने ट्वीट किया था "अंततः नफरत, हिंदू-मुस्लिम और "लव जेहाद की बकवाश" से मुक्त हो गई" पहले आसिम रियाज के साथ संबंध रखने और फिर उसको छोडकर मुक्त कनाडा की हवा में उन्हें एक धर्मनिरपेक्ष नारीवादी "अब्दुल गफ़ूरी" भी मिल गया...दोनो Living मे रहने लगे। पिछले सप्ताह उसके अब्दुल द्वारा उसकी हत्या करने से पहले वह सेक्युलर सपने को जी रही थी कि लव जेहाद एक झूंठ एक प्रोपगेंडा है अब वो खुद सैंकड़ों लव जेहादी की अग्नि की

भेंट चढ़ गई..... नो सिंपथी।

इस पोस्ट में कोई सच्चाई नहीं है। इस पोस्ट के नीचे ही कई लोगों ने इसकी फेक खबर की सच्चाई बताई है। असल बात ये है कि जिस हिमांशी की हत्या कनाडा में हुई है वो दूसरी भारतीय नागरिक थीं। रिपोर्ट्स के अनुसार हिमांशी का कत्ल उनके पार्टनर अब्दुल गफ़ूर ने किया है। टोरंटो पुलिस ने आरोपी के खिलाफ वारंट जारी किया है। शुरूआती रिपोर्ट्स में यह मामला पार्टनर के द्वारा हिंसा का मामला लग रहा है। टोरंटो में स्थित भारतीय दूतावास ने अपने ट्वीट में लिखा, टोरंटो में भारतीय नागरिक हिमांशी खुराना की हत्या से हम बेहद दुखी और स्तब्ध हैं। इस दुख की घड़ी में हम उनके परिवार के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करते हैं। दूतावास पिछले कुछ दिनों से इस मामले से लगातार जुड़ा हुआ है और स्थानीय अधिकारियों के साथ समन्वय स्थापित करते हुए परिवार को हर संभव सहायता प्रदान की जा रही है।

महिला एवं बाल विकास मंत्रालय राष्ट्रीय स्तर पर 'वीर बाल दिवस' मनाएगा और 'प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार' प्रदान किए जाएंगे

- राष्ट्रपति द्वारा 'प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार' प्रदान किए जाएंगे
- विभिन्न क्षेत्रों में असाधारण उपलब्धियां हासिल करने वाले 18 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के 20 बच्चों का चयन 'प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार' के लिए किया गया
- वीर बाल दिवस पर के राष्ट्रीय स्तर के कार्यक्रम में प्रधानमंत्री उपस्थिति रहेंगे
- कार्यक्रम में भारत के युवा वीरों के साहस, बलिदान और अनुकरणीय मूल्यों का स्मरण किया जाएगा
- केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री स्वागत भाषण देंगी

(जीएनएस)।

भारत सरकार का महिला एवं बाल विकास मंत्रालय कल (26 दिसंबर 2025) को राष्ट्रीय स्तर पर वीर बाल दिवस मनाएगा। इस अवसर पर भारत के युवा वीरों के साहस, बलिदान और अनुकरणीय मूल्यों को स्मरण किया जाएगा। इसी दिन विभिन्न क्षेत्रों में असाधारण उपलब्धियाँ हासिल करने वाले बच्चों को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार (पीएमआरबीपी) प्रदान किए जाएंगे।

प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार भारत सरकार द्वारा प्रतिवर्ष बच्चों को

प्रदान किया जाने वाला एक प्रतिष्ठित राष्ट्रीय सम्मान है। यह पुरस्कार वीरता,कला एवं संस्कृति, पर्यावरण,सामाजिक सेवा,विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी तथा खेल के क्षेत्रों में असाधारण उत्कृष्टता के लिए प्रदान किया जाता है। वर्ष 2025 में 18 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से 20 बच्चों का इस सम्मान के लिए चयन किया गया है। यह पुरस्कार भारत की राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु द्वारा 26 दिसंबर 2025 को प्रातः 10:00 बजे,विज्ञान भवन,नई दिल्ली में आयोजित एक विशेष समारोह में प्रदान किया जाएगा।

वीर बाल दिवस 2025 का राष्ट्रीय स्तर का कार्यक्रम 26 दिसंबर 2025 को भारत मंडपम,नई दिल्ली में आयोजित किया जाएगा। इस राष्ट्रीय आयोजन के अवसर पर प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की उपस्थिति भी रहेगी, जो बच्चों और युवाओं को संबोधित करेंगे तथा राष्ट्र निर्माण में युवा नागरिकों की भूमिका को रेखांकित करेंगे। यह कार्यक्रम वीरता,दृढ़ता और निस्वार्थ सेवा की प्रेरक कहानियों को प्रस्तुत करेगा,जिससे बच्चों और युवाओं को प्रेरणा मिलेगी तथा विकसित भारत @2047 के अनुरूप सशक्त और जिम्मेदार नागरिकों के निर्माण के प्रति भारत सरकार की प्रतिबद्धता को दोहराया जाएगा। केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती अन्नपूर्णा देवी स्वागत भाषण देंगी।

इस कार्यक्रम में देशभर से स्कूली बच्चे,प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार प्राप्तकर्ता तथा अन्य गणमान्य व्यक्ति भाग लेंगे। भारत की समृद्ध सभ्यतागत विरासत और वीरता की भावना को प्रदर्शित करने वाली सांस्कृतिक प्रस्तुतियां समारोह का प्रमुख हिस्सा होंगी।

वीर बाल दिवस 2025 के इस राष्ट्रीय स्तर के कार्यक्रम का 26 दिसंबर 2025 को दोपहर 12:30 बजे से एनआईसी वेबकास्ट,डीडी न्यूज तथा महिला एवं बाल विकास मंत्रालय के यूट्यूब चैनल पर सीधा प्रसारित किया जाएगा, जिससे देशभर में व्यापक सहभागिता सुनिश्चित हो सकेगी।

दिल्ली सरकार ने प्राइवेट स्कूलों पर कसा शिकंजा, लागू किया सख्त नियम, स्कूल नहीं बढ़ा पाएंगे मनमानी फीस

(जीएनएस)।

दिल्ली सरकार ने निजी स्कूलों में मनमानी फीस बढ़ोतरी पर लगाम लगाने के लिए एक अहम कदम उठाया है। दिल्ली शिक्षा विभाग ने शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिए स्कूल लेवल फीस रेगुलेशन कमेटी के गठन और संचालन को लेकर गाइडलाइन जारी की है। इस पहल का उद्देश्य राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली में स्कूल फीस तय करने और विनियमित करने में पारदर्शिता बढ़ाना तथा निजी स्कूलों की मनमानी फीस वृद्धि पर शिकंजा कसना है।

दिल्ली के शिक्षा मंत्री आशीष सूद ने जानकारी दी कि यह कदम दिल्ली स्कूल शिक्षा (शुल्क निर्धारण और विनियमन में पारदर्शिता) अधिनियम, 2025 और उसके संबंधित नियमों के तहत उठाया गया है। यह अधिनियम और नियम 10 दिसंबर 2025 को अधिसूचित किए गए थे। उन्होंने व्यक्त किया कि इस निर्णय से अभिभावकों को बड़ी राहत मिलने की उम्मीद है।

ऊँ ऋ्क्ष५ी१ल्लील्ल३

मंत्री ने स्पष्ट किया कि अब कोई भी स्कूल मनमाने ढंग से फीस नहीं बढ़ा पाएगा। यदि फीस में वृद्धि आवश्यक है, तो समिति के समक्ष एक वैध कारण और उसका प्रस्ताव प्रस्तुत करना होगा। सूद ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कहा, "सरकार प्रत्येक बच्चे के हित में एक संतुलित समाधान में विश्वास रखती है। टकराव की राजनीति हमारी नीति नहीं है।"

शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिए प्रभावी होगा

शिक्षा निदेशालय ने इस संबंध में एक आदेश जारी किया है। यह आदेश अधिनियम की धारा 2(13) में परिभाषित प्रत्येक 'स्कूल' पर लागू होगा और शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिए प्रभावी है। आदेश में कहा गया है कि अधिनियम का मुख्य उद्देश्य स्कूलों में फीस के निर्धारण और विनियमन में पारदर्शिता लाना है।

मनमाने ढंग से फीस नहीं बढ़ा सकेंगे स्कूल

मंत्री ने बताया कि यह कानून दिल्ली स्कूल शिक्षा अधिनियम, 1973 के पूरक उपाय के रूप में कार्य करता है। इसके प्राथमिक उद्देश्य फीस के निर्धारण में पारदर्शिता, जवाबदेही और समयबद्ध निर्णयों को सुनिश्चित करना है, साथ ही अभिभावकों के हितों की रक्षा करना भी है।

समिति गठन की समयसीमा एवं नियम

सरकार ने समिति के गठन के लिए विस्तृत समय-सीमा और नियम निर्धारित किए हैं। इसके अनुसार, सभी निजी विद्यालयों को 10 जनवरी, 2026 तक अनिवार्य रूप से एसएलएफआरसी का गठन करना होगा।

समिति के अध्यक्ष और सदस्यों के नाम स्कूल के नोटिस बोर्ड और वेबसाइट पर सार्वजनिक रूप से प्रदर्शित किए जाएंगे।

5 अभिभावक प्रतिनिधि और 3 शिक्षक प्रतिनिधि का चयन लॉटरी (ड्रॉ ऑफ लॉट्स) के माध्यम से किया जाएगा। ड्रॉ की तारीख, समय और स्थान की जानकारी कम से कम 7 दिन पहले सार्वजनिक करनी होगी।

स्कूल प्रबंधन को 25 जनवरी, 2026 तक प्रस्तावित शुल्क संरचना समिति को प्रस्तुत करनी होगी।

समिति को 30 दिनों के भीतर फीस प्रस्ताव पर कारणों सहित निर्णय लेना अनिवार्य है।

नियमों का पालन न करने, देरी करने या मनमानी करने पर कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू हो गया है और इसके कड़ाई से अनुपालन के निर्देश दिए गए हैं।

समिति में से पांच सदस्य अभिभावकों के प्रतिनिधि होंगे

यह ध्यान देने योग्य है कि 11 सदस्यीय समिति में से पांच सदस्य अभिभावकों के प्रतिनिधि होंगे, जबकि शेष सदस्य स्कूल प्रबंधन और शिक्षकों का प्रतिनिधित्व करेंगे। फीस वृद्धि से संबंधित सभी प्रस्तावों को 25 जनवरी, 2026 तक समिति के समक्ष प्रस्तुत करना अनिवार्य है।

अभिभावकों की शिकायतों का निवारण करेंगी

समिति इन प्रस्तावों पर चर्चा कर अपनी सिफारिशें देगी, जिसके बाद अंतिम निर्णय लिया जाएगा। इसके अतिरिक्त, शुल्क नियंत्रण समितियां केवल स्कूल स्तर पर ही नहीं, बल्कि जिला स्तर पर भी गठित की जाएंगी। ये समितियां किसी भी अनियमितता की निगरानी करेंगी और अभिभावकों की शिकायतों का निवारण करेंगी।

यह भी निर्देश दिया गया है कि शैक्षणिक वर्ष 2026-27 से आगे, अधिनियम और नियमों में स्पष्ट रूप से निर्दिष्ट की गई सभी समय-सीमाओं का अत्यंत कड़ाई के साथ पालन करना अनिवार्य होगा, ताकि व्यवस्था में निरंतरता और सटीकता बनी रहे।

अटल जी की 101वीं जयंती धूमधाम से मनाई गई।

रामशंकर भारती इंटर कॉलेज,मथुरा बाजार में हुआ भव्य आयोजन।

(जीएनएस)।

बलरामपुर। देश के सर्वमान्य नेता,भारतरत्न एवं पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी की 101वीं जयंती मथुरा बाजार स्थित रामशंकर भारती इंटर कॉलेज में श्रद्धा,उत्साह और गरिमा के साथ मनाई गई। कार्यक्रम का आयोजन विद्यालय प्रबंधन के मार्गदर्शन में शिव प्रसाद द्विवेदी के नेतृत्व में किया गया।

कार्यक्रम की शुरूआत अटल जी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर की गई। इस अवसर पर विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने अटल जी के जीवन,विचारों एवं राष्ट्रनिर्माण में उनके योगदान पर आधारित प्रेरक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए,जिन्हें देख उपस्थित जनसमूह भावविभोर हो उठा।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पूर्व सांसद एवं जिला पंचायत अध्यक्ष दद्दन मिश्र ने कहा कि अटल बिहारी वाजपेयी का जीवन राष्ट्रसेवा,सुचिता और दूरदर्शी नेतृत्व का प्रतीक था। उन्होंने अटल जी द्वारा लिए गए ऐतिहासिक निर्णयों और देश को सशक्त बनाने में उनकी भूमिका पर विस्तार से प्रकाश डाला।

मुख्य अतिथि पूर्व राज्य मंत्री एवं सदर विधायक पल्टूराम ने अपने संबोधन में कहा,ह्वअटल बिहारी वाजपेयी केवल एक राजनेता नहीं,बल्कि विचारों के युगपुरुष थे। उन्होंने राजनीति में संवाद,शालीनता और समरसता की जो परंपरा स्थापित

की,वह आज भी हम सभी के लिए प्रेरणास्रोत है। पोखरण परमाणु परीक्षण से लेकर सड़क,संचार और आधारभूत ढांचे के विकास तक अटल जी के निर्णयों ने भारत को वैश्विक मंच पर एक मजबूत पहचान दिलाई।ह्व

उन्होंने युवाओं से अटल जी के आदर्शों को अपनाकर राष्ट्रसेवा के मार्ग पर आगे बढ़ने का आह्वान किया।

अटल जी के परिवार से जुड़ीं अंजली मिश्र ने उनके व्यक्तित्व और विचारधारा पर प्रकाश डालते हुए कहा कि अटल जी का संपूर्ण जीवन सादगी,संवेदनशीलता और राष्ट्रभक्ति का अनुपम उदाहरण था।

वहीं अटल जी के साथ कार्य कर चुके परिवार से जन्मेजय सिंह ने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि अटल जी की कार्यशैली में मानवीय दृष्टिकोण और सबको साथ लेकर चलने की भावना सदैव झलकती थी।

कार्यक्रम में आयोजक एवं चेयरमैन डॉ.धीरेन्द्र प्रताप सिंह धीरू ने कहा कि अटल जी का जीवन हम सभी के लिए प्रेरणा का स्रोत है और उनके विचार आज भी उतने ही प्रासंगिक हैं।

तुलसीपुर विधायक कैलाशनाथ शुक्ल ने कहा कि अटल जी ने राजनीति को सत्ता नहीं,बल्कि सेवा और राष्ट्रनिर्माण का माध्यम बनाया।

भाजपा जिलाध्यक्ष रवि कुमार मिश्र ने अपने वक्तव्य में कहा,ह्वअटल बिहारी वाजपेयी जी ने अंत्योदय,राष्ट्रवाद और लोकतांत्रिक मूल्यों को सशक्त आधार प्रदान किया। उनका जीवन प्रत्येक कार्यकर्ता के लिए मार्गदर्शक है। हमें उनके विचारों को जन-जन तक पहुँचाकर मजबूत और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में योगदान देना चाहिए।ह्व

इस अवसर पर पूर्व जिलाध्यक्ष चन्द्र प्रकाश सिंह 'गुड्डू',डीपी सिंह बैस,श्याम मनोहर तिवारी,शेरावाली शुक्ला,शिव प्रसाद यादव,राघव राम पान्डेय,जगदम्बा मिश्र,अतुल द्विवेदी,मणि राम तिवारी,अवधेश तिवारी तरुण,बुद्वि सागर अवस्थी,सुरेश गुप्ता,पवन शुक्ल,संजय शुक्ल सहित अनेक जनप्रतिनिधि,शिक्षाविद् एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के अंत में सभी अतिथियों एवं उपस्थित जनसमूह ने अटल बिहारी वाजपेयी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किए तथा उनके आदर्शों को अपने जीवन में आत्मसात करने का संकल्प लिया।

यूपी 112 के प्रचार प्रसार के अन्तर्गत जन जागरूकता कार्यक्रम के तहत उद्घोषक, नुक्कड़ नाटक, एल ई डी वैन के माध्यम से जनमानस को किया गया जागरुक।

(जीएनएस)। **बलरामपुर**

यूपी 112 उत्तर प्रदेश पुलिस की सेवाओं के व्यापक प्रचार प्रसार के उद्देश्य से उ० प्र ० शासन की मंशा के अनुरूप आपात सेवा यूपी 112 व उत्तर प्रदेश पुलिस की सेवाओं का व्यापक प्रचार प्रसार दिनांक 25/12/25 से करायें जा रहे नुक्कड़ नाटक व एल ई डी वैन के क्रम में-

नई बाजार पचपेड़वा, कलश चौराहा तुलसीपुर, हरिहरगंज चौराहा कोतवाली देहात बलरामपुर आदि स्थानों पर गीत संगीत, एल ई डी वैन एवं नुक्कड़ नाटक के माध्यम से आम जन, छात्र छात्राओं, महिलाओं एवं पुरुषों को किसी भी आपात स्थिति में 112 को कॉल

करने के संबंध में जागरूक एवं प्रेरित किया गया।

नुक्कड़ नाटक के विभिन्न पात्रों के माध्यम से वास्तविक जीवन की स्थितियों को प्रदर्शित करते हुए अपराध, दुर्घटनाएँ या स्वास्थ्य आपातकाल स्थिति में जब किसी नागरिक को मदद की आवश्यकता होती है यूपी 112 पर कैसे कॉल कर सहायता प्राप्त करें इस बारे में जागरूक किया गया और "यूपी 112" के महत्व एवं इसकी सेवाओं के बारे में जानकारी प्रदान की गई, नुक्कड़ नाटक का मुख्य उद्देश्य जनमानस को संदेश देना है कि "यूपी 112" का इस्तेमाल करना हर नागरिक का अधिकार है और यह समय पर सहायता प्राप्त करने का एक सशक्त माध्यम है। जागरूकता बढ़ाना लोगों को 112 सेवा के बारे में जानकारी देना। समाज में सुरक्षा का भाव विकसित करना और अपराधों की रोकथाम के लिए लोगों को सतर्क करना।

भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी जी की जयंती पर जिला स्तरीय सुशासन दिवस समारोह आयोजित

पारदर्शिता, संवेदनशीलता और जवाबदेही ही सुशासन की पहचान : विधायक डॉ. कृष्ण कुमार

बाल भवन में उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारी-कर्मचारी गुड गवर्नेंस अवॉर्ड-2025 से सम्मानित

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के संदेश का पंचकूला से हुआ लाइव प्रसारण

(जीएनएस)।

रेवाड़ी। पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न श्री अटल बिहारी वाजपेयी एवं महान स्वतंत्रता सेनानी महामना पंडित मदन मोहन मालवीय की जयंती के उपलक्ष्य में गुरुवार को मॉडल टाउन स्थित बाल भवन सभागार में जिला स्तरीय सुशासन दिवस समारोह गरिमामयी वातावरण में आयोजित किया गया।

समारोह में बावल विधायक डॉ. कृष्ण कुमार ने बतौर मुख्य अतिथि उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारियों व कर्मचारियों को अटल बिहारी वाजपेयी गुड गवर्नेंस अवॉर्ड-2025 से सम्मानित किया। उपायुक्त अभिषेक मीणा ने जिला प्रशासन की ओर से मुख्य अतिथि का स्वागत किया।

इस अवसर पर पंचकूला में आयोजित राज्य स्तरीय सुशासन दिवस समारोह का वर्चुअल माध्यम से लाइव प्रसारण भी किया गया, जिसमें मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने सुशासन के उद्देश्य और सरकार की जनहितकारी योजनाओं पर अपने विचार साझा किए।

अटल जी के विचार सुशासन की मजबूत नींव : डॉ. कृष्ण कुमार

मुख्य अतिथि विधायक डॉ. कृष्ण कुमार ने भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी जी एवं पं. मदन मोहन मालवीय को नमन करते हुए कहा कि अटल जी के विचार आज भी शासन-प्रशासन के लिए प्रेरणास्रोत हैं। उन्होंने कहा कि अटल जी का मानना था कि शासन कोई साधन नहीं, बल्कि जनता के प्रति जिम्मेदारी है।

उन्होंने ईमानदारी, पारदर्शिता, संवेदनशीलता और जवाबदेही को सुशासन की आधारशिला बताते हुए कहा कि सभी अधिकारियों व कर्मचारियों को बिना भेदभाव, समान भावना और पूर्ण निष्ठा के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करना चाहिए।

विधायक ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार अंत्योदय की भावना और विकसित भारत-2047 के लक्ष्य के साथ देश को सशक्त बना रही है। वहीं मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में हरियाणा में बिना भेदभाव के विकास कार्य तेजी से हो रहे हैं। ई-गवर्नेंस के माध्यम से कार्यों में पारदर्शिता और सरलीकरण को बढ़ावा दिया गया है। केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह भी रेवाड़ी सहित पूरे लोकसभा क्षेत्र में विकास कार्यों को गति दे रहे हैं।

प्रशासनिक व्यवस्था हो रही है और मजबूत : डीसी अभिषेक मीणा

उपायुक्त अभिषेक मीणा ने कहा कि केंद्र व प्रदेश सरकार की योजनाओं को प्रभावी ढंग से लागू करते हुए जिला प्रशासन सुशासन की दिशा में निरंतर कार्य कर रहा है। योजनाओं को आमजन तक पहुंचाने में अधिकारियों और कर्मचारियों की अहम भूमिका होती है। रेवाड़ी जिला प्रशासन पारदर्शिता और जनसेवा की भावना के साथ सराहनीय योगदान दे रहा है।

इन अधिकारियों-कर्मचारियों को किया गया सम्मानित

जिला स्तरीय समारोह में बेहतर मीडिया प्रबंधन व उत्कृष्ट पीआर कार्य के लिए जिला सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी दिनेश कुमार को गुड गवर्नेंस अवॉर्ड-2025 से सम्मानित किया गया।

इसके अलावा पंचायत विभाग में सराहनीय कार्य के लिए बीडीपीओ बावल शुभम, राजस्व विभाग से पटवारी विक्रम तथा डब्ल्यू.बी.एन. कुलदीप सिंह को भी सम्मानित किया गया।

समारोह के दौरान डीआईपीआरओ दिनेश कुमार एवं बीडीपीओ शुभम की कार्यशैली को दशार्ती पावर प्रेजेंटेशन भी प्रस्तुत की गई। कार्यक्रम का कुशल संचालन प्रवक्ता सुधीर यादव ने किया, जिन्होंने लोक शैली में अटल जी के जीवन वृत्तांत को प्रस्तुत कर श्रोताओं को भावविभोर कर दिया।

ये रहे उपस्थित

समारोह में डीएमसी ब्रह्म प्रकाश, एसडीएम रेवाड़ी सुरेश कुमार, सीटीएम जितेंद्र कुमार, डीएसपी सुरेंद्र श्योराण, डीडीपीओ एचपी बंसल, सीएमओ डॉ. नरेंद्र दहिया, डीसीडब्ल्यूओ वीरेंद्र यादव, डीएफएससी डॉ. अशोक रावत, भाजपा जिला महामंत्री कुलदीप चौहान, उपाध्यक्ष प्रवीण शर्मा सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

बांदा -कानपुर प्रांत में नवीन घोषणाएंः आयुषी त्रिपाठी और अन्य को मिली बड़ी जिम्मेदारी

(जीएनएस)।

कानपुर, -कानपुर प्रांत में नवीन घोषणाएं की गई हैं, जिसमें आयुषी त्रिपाठी को प्रांत सह मंत्री, सुभाष त्रिपाठी को प्रांत सह संयोजक फार्माविजन, पीयूष सिंह को प्रांत सह एग्रीविजन संयोजक, मानसी धुरिया को प्रांत कार्यसमिति सदस्य, और अभिषेक अग्रहरि, अनिल पाल और इच्छा अवस्थी को प्रांत कार्यकारणी सदस्य बनाया गया है।

- आयुषी त्रिपाठी को प्रांत सह मंत्री बनाया गया है

- सुभाष त्रिपाठी को प्रांत सह संयोजक फार्माविजन बनाया गया है

- पीयूष सिंह को प्रांत सह एग्रीविजन संयोजक बनाया गया है

- मानसी धुरिया को प्रांत कार्यसमिति सदस्य बनाया गया है

- अभिषेक अग्रहरि, अनिल पाल और इच्छा अवस्थी को प्रांत कार्यकारणी सदस्य बनाया गया है

कानपुर प्रांत के सभी सदस्यों ने नवीन घोषणाओं पर हार्दिक शुभकामनाएं दी हैं। हमें उम्मीद है कि ये सभी सदस्य अपने नए पदों पर खरे उतरेंगे और प्रांत के विकास में महत्वपूर्ण योगदान देंगे ।

क्रिसमस डे बांदा के वृद्धा आश्रम में हर्षोल्लास से मनाया गया

(जीएनएस)।

अतर्राः तथागत ज्ञानस्थली सीनियर सेकेंडरी स्कूल में 24.12.2025 (बुधवार) को क्रिसमस डे बड़े धूमधाम से मनाया गया। सांता क्लास की टोपी और रंग-बिरंगी वेशभूषा पहने नर्सरी के बच्चों में उत्साह देखने को मिला, बच्चों ने गीत प्रस्तुत करके मनमोहक कार्यक्रमों की शानदार प्रस्तुति देकर सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। शिक्षकों ने भाषण के माध्यम से यीशु मसीह के प्रेम व करुणा के संदेश को मार्मिकता से व्यक्त किया, इसी बीच सांता के भेष में आए एक छात्र ने सभी बच्चों को चॉकलेट, टॉफी और अन्य उपहार भेंट किया। विद्यालय की प्रधानाचार्या श्रीमती श्वेता श्रीवास्तव जी ने विद्यार्थियों को क्रिसमस की शुभकामनाएं दी तथा ईसा मसीह के जीवन और उनके संदेशों पर प्रकाश डाला। इसके बाद कक्षा 1 से 5 तक के बच्चों को वृद्ध आश्रम बांदा भ्रमण के लिए ले जाया गया जहां बच्चों द्वारा वृद्धो को गर्म मोजे, टोपी , केक

कट कटवाया गया और कुछ खाने पीने की सामग्रियां बांटी गई। इसके साथ ही बच्चों ने क्रिसमस डे पर गीत और नृत्य प्रस्तुत किए।स्कूल के बच्चों का वृद्ध आश्रम जाना समाज में संवेदनशीलता और अच्छे संस्कारों को बढ़ावा देने का एक सकारात्मक कदम है, जिससे बच्चों को बड़ों का सम्मान करना और उनकी सेवा करना सिखाया जाता है। बच्चों ने बुजुर्गों से मिलकर उनके अनुभव सुन उनकी सेवा की और आशीर्वाद प्राप्त किया। प्रधानाचार्या ने बताया कि ऐसे दौरे आयोजित करने से बुजुर्गों का अकेलापन भी दूर होता है और बच्चों में दया का भाव आता है। विद्यालय की डॉयरेक्टर महोदया जी ने सभी को क्रिसमस डे की शुभकामनाएं प्रेषित की और आगे कहा कि मुझे अत्यंत खुशी हो रही है कि हमारा विद्यालय एक ऐसे शिक्षण संस्थान के रूप में विकसित हो रहा है, जहाँ हम न केवल अकादमिक उत्कृष्टता, बल्कि छात्रों के सर्वांगीण विकास पर भी ध्यान केंद्रित करते हैं.

हमारा उद्देश्य एक ऐसा वातावरण बनाना है जहाँ हर छात्र सुरक्षित महसूस करे, अपनी क्षमता को पहचाने और जीवन की चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार हो सके. हम मानते हैं कि शिक्षा केवल किताबों तक सीमित नहीं है, बल्कि इसमें नैतिक मूल्यों, सामाजिक जागरूकता और व्यावहारिक कौशल का विकास भी शामिल है, ताकि हमारे बच्चे जिम्मेदार और सफल नागरिक बन सकें. इस मौके पर विद्यालय के शिक्षक गण भी मौजूद रहे।

डीआईपीआरओ दिनेश कुमार अटल बिहारी वाजपेयी गुड गवर्नेंस अवॉर्ड-2025 से सम्मानित

सुशासन दिवस पर बावल विधायक डॉ. कृष्ण कुमार ने किया सम्मान, डीसी अभिषेक मीणा रहे उपस्थित

(जीएनएस)।

रेवाड़ी। जिला सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी (डीआईपीआरओ) दिनेश कुमार को बेहतर मीडिया प्रबंधन और उत्कृष्ट पीआर प्रयासों के लिए अटल बिहारी वाजपेयी गुड गवर्नेंस अवॉर्ड-2025 से सम्मानित किया गया। यह सम्मान पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी की 101वीं जयंती के अवसर पर सुशासन दिवस के उपलक्ष्य में बाल भवन रेवाड़ी में आयोजित जिला स्तरीय कार्यक्रम के दौरान प्रदान किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि बावल विधायक डॉ. कृष्ण कुमार ने उपायुक्त अभिषेक मीणा की गरिमामयी उपस्थिति में डीआईपीआरओ दिनेश कुमार को सम्मानित किया।

इस अवसर पर विधायक डॉ. कृष्ण कुमार ने कहा कि शासन और प्रशासन की नीतियों व योजनाओं को आमजन तक प्रभावी ढंग से पहुंचाने में सूचना एवं जनसंपर्क विभाग की अहम भूमिका होती है। उन्होंने दिनेश कुमार की कार्यशैली की सराहना करते हुए कहा कि वे पूरी निष्ठा, ईमानदारी और संजीदगी के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन कर रहे हैं।

पत्रकारिता से प्रशासन तक प्रतिबद्ध सेवा

दिनेश कुमार ने अपने करियर की शुरूआत पत्रकारिता से की। वर्ष 2003 से 2008 तक विभिन्न समाचार पत्रों में संवाददाता व ब्यूरो चीफ के रूप में कार्य किया। इसके उपरांत अप्रैल 2008 से दिसंबर 2019 तक कोसली, बहादुरगढ़, चरखी दादरी और झज्जर में सहायक सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी के रूप में सेवाएं दीं। दिसंबर 2019 से जुलाई 2021 तक उन्होंने झज्जर में कार्यवाहक जिला सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी के रूप में जिम्मेदारी निभाई।

कोरोना काल के दौरान उन्होंने बिना रुके शासन-प्रशासन द्वारा जारी स्वास्थ्य संबंधी जनहितकारी सूचनाओं को आमजन तक पहुंचाने में सराहनीय भूमिका निभाई, जिसके लिए झज्जर जिला प्रशासन द्वारा उन्हें कोरोना योद्धा के रूप में सम्मानित किया गया। साथ ही 15 अगस्त 2021 को तत्कालीन महिला एवं बाल विकास मंत्री कमलेश ढांडा द्वारा उन्हें बेस्ट पीआर अवॉर्ड से भी नवाजा गया।

रेवाड़ी व फरीदाबाद में उल्लेखनीय योगदान

अगस्त 2021 से सितंबर 2024 तक दिनेश कुमार ने रेवाड़ी में डीआईपीआरओ के रूप में कार्य करते हुए केंद्र व प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रचार-प्रसार में सक्रिय भूमिका निभाई। सितंबर 2024 से मार्च 2025 तक उन्होंने फरीदाबाद जिले में डीआईपीआरओ के रूप में सेवाएं दीं।

38वें अंतरराष्ट्रीय सूरजकुंड मेले में बेहतर मीडिया प्रबंधन और अंतरराष्ट्रीय स्तर की कवरेज सुनिश्चित करने पर पर्यटन मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा तथा पर्यटन विभाग की प्रधान सचिव कला रामचन्द्र ने उनकी कार्यशैली की प्रशंसा की।

इसके अतिरिक्त विधानसभा एवं नगर निगम चुनावों के दौरान आयोग के निर्देशों की प्रभावी अनुपालना कर प्रशासन और आमजन के बीच सशक्त संवाद की भूमिका निभाई।

उपायुक्त अभिषेक मीणा के मार्गदर्शन में गीता महोत्सव सहित विभिन्न संत-महात्माओं की जयंती व आयोजनों में भी उनकी उल्लेखनीय भागीदारी रही।

बलरामपुर पुलिस द्वारा थाना को0 उतरौला क्षेत्रांतर्गत कूटरचित दस्तावेज तैयार कर हफीज फूड्स प्रोपराइटर के नाम से फर्जी लाइसेंस प्राप्त कर धोखाधड़ी करने के संबंध में पंजीकृत अभियोग से संबंधित अभियुक्त को किया गया गिरफ्तार

(जीएनएस)। बलरामपुर

घटना का संक्षिप्त विवरण-अभिहित अधिकारी/केन्द्रीय अनुज्ञापन प्राधिकारी उ0प्र0-2 ऋरअक उत्तरी क्षेत्र गाजियाबाद उ0प्र0 रत्ना श्रीवास्तव व अभिहित अधिकारी भारती खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण/ऋरअक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय भारत सरकार द्वारा फाइल नम्बर ए-16/ComplÔi»»ft/UP-2/Balrampur/FSSAI/NR/2025 दिनाँक 02.09.2025 द्वारा प्रेषित जाँच रिपोर्ट सम्बन्धित हफीज फूड्स प्रोपराइटर मो0हफीज लाइसेन्स नम्बर 12724998000309 मोहल्ला रफीनगर वार्ड नम्बर 16 बलरामपुर के विरूद्ध कार्यवाही किये जाने के क्रम को उ0नि0 शिवकैलाश कोतवाली उतरौला जनपद बलरामपुर के तहरीर पर मु0अ0सं0 209/2025 धारा 61 खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 व धारा 338/336(3)/340(2) बी0एन0 एस0 बनाम मो0 हफीज पुत्र अब्दुल हमीद निवासी मोहल्ला रफीनगर कोतवाली उतरौला जनपद बलरामपुर थाना स्थानीय पर पंजीकृत हुआ था। दौराने विवेचना बयान वादी, बयान गवाहान, अवलोकन निर्गत सत्य अनुज्ञप्ति पत्र(लाइसेंस) ,अवलोकन कूटरचित अनुज्ञप्ति पत्र (लाइसेंस) ,अवलोकन निरीक्षण जाँच आख्या , बयान अभिहित अधिकारी के आधार पर मुकदमा उपरोक्त में धारा 61 खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 व

धारा 338/336(3)/340(2) बी0एन0एस0 का अपराध पाया जा रहा है ।

पुलिस अधीक्षक बलरामपुर विकास कुमार द्वारा थाना को0 उतरौला क्षेत्रांतर्गत कूटरचित दस्तावेज तैयार कर हफीज फूड्स प्रोपराइटर के नाम से फर्जी लाइसेंस प्राप्त कर धोखाधड़ी करने की घटना का अनावरण व अभियक्त की गिरफ्तारी हेतु दिए गए निर्देश के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक विशाल पाण्डेय व *क्षेत्राधिकारी उतरौला राघवेन्द्र सिंह* के कुशल पर्यवेक्षण में तथा प्रभारी निरीक्षक अवधेश राज सिंह के नेतृत्व में- थाना कोतवाली उतरौला पुलिस टीम द्वारा मु0अ0सं0 209/2025 धारा 61 खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 व धारा 338/336(3)/340(2) बी0एन0 एस0 से सम्बन्धित अभियुक्त मो0 हफीज पुत्र अब्दुल हमीद निवासी मोहल्ला रफीनगर कोतवाली उतरौला जनपद बलरामपुर को डाकघर कस्बा उतरौला के पास से गिरफ्तार कर उनके विरुद्ध आवश्यक वैधानिक कार्यवाही करते हुए अभियुक्त उपरोक्त को मा0 न्यायालय रवाना किया गया।

गिरफ्तार अभियुक्त का विवरण झ

1. मो0 हफीज उम्र करीब 45 वर्ष पुत्र अब्दुल हमीद निवासी मोहल्ला रफीनगर कोतवाली उतरौला जनपद बलरामपुर

पूछताछ का विवरण:-

अभियुक्त मोहम्मद हफीज पुत्र अब्दुल हमीद निवासी मोहल्ला रफीनगर कोतवाली उतरौला जनपद बलरामपुर ने पूछताछ मे बताया कि मैं बेरोजगार हूँ हमारे कस्बे में काफी मुस्लिम आबादी है जहाँ पर भैंसे का गोस्त क्रय विक्रय किया जाना अति मात्रा में आवश्यक समझते हुये मैं पैसे कमाने के लालच में अपने जानने वाले 1. मोहम्मद सैफ पुत्र मोहम्मद सकूर निवासी स्टेशन रोड गोण्डा जनपद गोण्डा व 2.असफाक पुत्र अज्ञात नि0 गोण्डा के साथ मिल कर लाइसेन्स बनवाने हेतु आवेदन किया गया कि मेरे मित्रगण द्वारा मुझसे तीन से चार लाख रुपए लेकर मेरे नाम पर भैसे का गोस्त बेचने का लाइसेन्स बनवाया गया था किन्तु मुझे पता चला कि जो मेरा लाइसेन्स क्रय विक्रय हेतु बना है उसमें फुटकर में बेचने का लाइसेन्स नही है जबकि हमारे मोहल्ले में फुटकर में खरीदने वाले ज्यादा लोग है इसी लालच में आकर मैं तथा हमारे सहयोगीगण द्वारा मिलकर लाइसेन्स में कूटरचना करके फुटकर का भी लाइसेन्स बना लिया था, जिसके आधार पर फुटकर भैंस का गोस्त हम तीनो मिल कर एक दूसरे का आर्थिक सहयोग करते हुये कारोबार /व्यापार कर रहे थे । इस प्रकार अभियुक्त द्वारा अपना जुर्म स्वीकार किया गया है।